दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-18 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 22 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

लाल किला सहित देश के कई बड़े मंदिर आतंकियों के निशाने पर, सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली,(ए.)। खुफिया एजेंसियों ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। ताजा खुफिया इनपुट्स के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले और अन्य प्रमुख शहरों के प्रसिद्ध मंदिरों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा है। इस खतरे को देखते हुए देश भर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, आतंकी संगठन का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक केंद्रों को निशाना बनाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना और देश में दहशत का माहौल पैदा करना है। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी और मथुरा जैसे धार्मिक महत्व वाले शहरों के प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अंदेशा जताया गया है कि आतंकी लाल किले के आसपास के क्षेत्रों और पुरानी दिल्ली के घनी आबादी वाले चांदनी चौक इलाके में मौजूद मंदिरों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के जरिए धमाके करने की कोशिश कर सकते हैं। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह साजिश 6 फरवरी को इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए धमाके के प्रतिशोध के रूप में रची गई है। पाकिस्तान ने उस घटना के लिए निराधार रूप से भारत पर आरोप लगाए थे, जिन्हें भारत सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया था। अब खुफिया सूचनाओं से संकेत मिले हैं कि लश्कर के आतंकी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इनपुट्स मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर पुरानी दिल्ली और पर्यटन केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ संदिग्ध वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है और एंटी-सैबोटेज जांच शुरू कर दी गई है।

इंदौर में प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े, एक-दूसरे पर फेंके पत्थर-टमाटर-संतरे

इंदौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदर्शन के दौरान हालात बेकाबू हो गए। मौके पर पहले से तैनात पुलिस ने दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शन उग्र हो गया और दोनों ओर से हंगामे की स्थिति बन गई। कांग्रेस और भाजयुमो के कार्यकर्ताओं के बीच एक-दूसरे पर पथराव हुआ। इस दौरान पानी की बोतलें, तेल की थैलियां, पत्थर के साथ-साथ संतरे और टमाटर भी फेंके गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस को भीड़ काबू करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने के लिए गांधी भवन पहुंचे। यहां पहले से तैनात पुलिस बल ने सुरक्षा के मद्देनजर दोनों ओर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा का औपचारिक स्वागत किया।

श्रीनगर में सीआरपीएफ की बुलेटप्रूफ गाड़ी नहर में पलटी, हादसे में 9 जवान घायल, अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से सुरक्षाबलों से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक भारी-भरकम बुलेटप्रूफ वाहन अचानक बेकाबू होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस अप्रत्याशित सड़क हादसे में गाड़ी में सवार सीआरपीएफ के करीब नौ जवान घायल हो गए हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर बड़ा रेस्क्यू अभियान चलाया गया और सभी घायल कर्मियों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।अधिकारियों द्वारा दी गई प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अहमद नगर के डगपोरा इलाके में घटी है।

मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला : अगले चार दिनों तक बारिश और आंधी का अलर्ट

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार, प्रदेश में अगले चार दिनों तक बारिश और तेज आंधी का दौर जारी रहने की संभावना है। पिछले तीन दिनों से राज्य के कई हिस्सों में लगातार हो रही वर्षा और ओलावृष्टि ने सामान्य जनजीवन के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। इस मौसमी बदलाव का सबसे अधिक असर न्यूनतम तापमान पर पड़ा है, जिससे फरवरी के महीने में एक बार फिर ठंड का अहसास होने लगा है।

पिछले 72 घंटों के दौरान भोपाल, शाजापुर, रतलाम, रायसेन, उज्जैन, सागर और छतरपुर समेत लगभग 20 जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ ओले भी गिरे हैं। इस बेमौसम बारिश और आंधी ने रतलाम, शाजापुर और उज्जैन के किसानों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है, जहाँ खेतों में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 22 फरवरी को हालांकि भारी बारिश की संभावना कम है, लेकिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इसके तुरंत बाद, 23 फरवरी से एक नया सिस्टम सक्रिय होने के कारण प्रदेश के कई जिलों में पुनः वर्षा का दौर शुरू हो सकता है।

तापमान की बात करें तो बारिश और ठंडी हवाओं के चलते प्रदेश के कई शहरों में पारा लुढ़क गया है। विशेष रूप से इंदौर में अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इंदौर का अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

आरएसएस से जुड़े मानहानि मामले में भिवंडी कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

शिवराज पाटिल के निधन के बाद कोर्ट में नया जमानतदार किया पेश

मुंबई,(ए.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आरएसएस से जुड़े मानहानि मामले में महाराष्ट्र भिवंडी कोर्ट में पेश हुए। हालांकि, राहुल गांधी और उनके कुछ वकील ही अदालत के अंदर गए। इसके अलावा किसी और को कोर्ट में जाने की इजाजत नहीं थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की शनिवार को महाराष्ट्र के भिवंडी कोर्ट में पेशी हुई। जो 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनपर दर्ज मानहानी केस से जुड़ी है। राहुल गांधी ने कोर्ट में पहुंचकर नया जमानतदार पेश किया। इसके बाद वे कोर्ट से निकल गए।

बारात से लौट रही तेज रफ्तार बस ने कार को मारी जोरदार टक्कर, मची चीख-पुकार; 4 लोगों की दर्दनाक मौत

भिंड , (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के पास भिंड-ग्वालियर हाईवे (एनएच-719) पर शनिवार रात बारात से लौट रही एक तेज रफ्तार बस ने ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

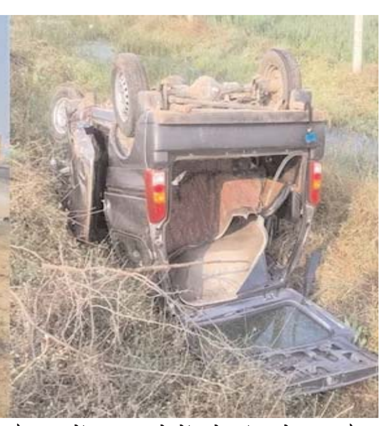

कैसे हुआ यह दर्दनाक हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक बस भिंड में बारात छोड़कर वापस ग्वालियर की ओर जा रही थी। बस की रफ्तार काफी तेज थी और इसी दौरान गोहद चौराहा के पास उसने यात्रियों से भरी एक ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस का राहत कार्य और घायलों की स्थिति

हादसे की सूचना मिलते ही गोहद चौराहा पुलिस की टीम फौरन मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया और राहत-बचाव कार्य को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में घायल हुए सभी सात लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से दो घायलों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए तुरंत ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

मेरे ऊपर लगे आरोप निराधार, सही निर्णय का न्यायालय पर भरोसा है पूरा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज,(ए.)। प्रयागराज जिला न्यायालय के पॉक्सो एक्ट विशेष कोर्ट द्वारा यौन शोषण का मुकदमा दर्ज करने के आदेश के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शनिवार को देर शाम मीडिया के सामने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि न्यायालय का फैसला उचित है, जब इस मामले में मुकदमा दर्ज होगा, तभी तो जांच प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और दूध का दूध, पानी का पानी अलग होगा। हमें विश्वास है कि सच्चाई सबके सामने आएगी और सही एवं गलत में अंतर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने आरोप लगाया है वह खुद हिस्ट्रीशीटर है। शामली जिले के कांगली थाने की दिवार पर हिस्ट्रीशीटर की सूची में 34 नम्बर पर आरोप लगाने वाले का नाम अंकित है।

अमेरिकी टैरिफ पर कांग्रेस ने कहा- मामला कोर्ट में था, केंद्र को जल्दबाजी नहीं करना थी

नई दिल्ली(ए.)। टैरिफ को लेकर अमेरिकी अदालती घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के साहसिक कदम की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अदालत की वैचारिक बनावट के बावजूद 6-3 का यह निर्णय ट्रंप की पूरी टैरिफ रणनीति के लिए एक बड़ा झटका है। रमेश के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा उदाहरण है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले के बहाने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अमेरिकी अदालत में यह मामला लंबित था, तो भारत सरकार ने इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई खेड़ा ने आरोप लगाया कि यदि भारत कुछ दिन और इंतजार करता, तो देश एकतरफा और कथित तौर पर भारत-विरोधी व्यापार सौदे में फंसने से बच सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फरवरी की शुरुआत में वॉशिंगटन को किए गए फोन कॉल और भारत की शुरुआती इंतजार करने की रणनीति में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे कूटनीतिक चूक करार दिया।

तेज हवाओं के चलते एक्यूआई में सुधार, लोग ले रहे हैं राहत की सांस

नोएडा (आरएनएस)। तेज हवाओं के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में प्रदूषण के स्तर में गिरावट आई है, जिससे लोगों को कुछ राहत महसूस हो रही है। हालांकि अभी भी अधिकांश स्थान 'मध्यम' से 'खराब' श्रेणी के बीच बने हुए हैं। गाजियाबाद में यूपीपीसीबी के चारों स्टेशन सक्रिय पाए गए। इंदिरापुरम का एक्यूआई 232, लोनी का 268, संजय नगर का 181 और वसुंधरा का 233 दर्ज किया गया। इनमें लोनी सबसे अधिक प्रदूषित रहा, जो 'खराब' श्रेणी के करीब पहुंच गया, जबकि संजय नगर अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहा। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 199, सेक्टर-62 में 164, सेक्टर-1 में 213 और सेक्टर-116 में 194 रिकॉर्ड किया गया। सेक्टर-62 का स्तर सबसे कम रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है, जबकि सेक्टर-1 में 213 का स्तर 'खराब' श्रेणी की ओर इशारा करता है। दिल्ली में भी कई मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़े सामने आए हैं।अलीपुर में एक्यूआई 189, आनंद विहार में 244, अशोक विहार में 224, आया नगर में 138, बवाना में 219, बुराड़ी क्रॉसिंग में 195, चांदनी चौक में 246, सीआरआरआई मथुरा रोड में 161, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 211 और डीटीयू में 189 दर्ज किया गया। इनमें चांदनी चौक (246) और आनंद विहार (244) सबसे अधिक प्रदूषित रहे, जबकि आया नगर (138) सबसे बेहतर स्थिति में रहा।

33 मासूमों से दरिंदगी करने वाले को दंपत्ति को फांसी; बांदा पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बांदा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बांदा स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने आज मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में अपना कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंचाई विभाग के पूर्व जूनियर इंजीनियर रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को 33 मासूम बच्चों के साथ यौन शोषण और उनकी पोर्नोग्राफी बनाने के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 31 अक्टूबर 2020 को रामभवन और अन्य के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण, पोर्नोग्राफी बनाने और उसे इंटरनेट पर प्रसारित करने के आरोपों में मामला दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि ये शिकारी 2010 से 2020 के बीच बांदा और चित्रकूट के इलाकों में सक्रिय थे. आरोपी रामभवन बच्चों को ऑनलाइन वीडियो गेम, पैसे और उपहारों का लालच देकर अपनी हवस का शिकार बनाता था। सीबीआई की जांच में जो तथ्य सामने आए, वे रूह कपा देने वाले हैं। दरिंदगी के शिकार 33 लड़कों में से कुछ की उम्र महज तीन वर्ष थी। यौन हमले के दौरान कई मासूमों के निजी अंगों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस आघात के कारण कुछ बच्चों की आंखों में भेंगापन तक विकसित हो गया। पीड़ित आज भी उस भयानक मनोवैज्ञानिक आघात (Psychological Trauma) से जूझ रहे हैं।

विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों के कृत्य को दुर्लभ से दुर्लभतम (Rarest of Rare) श्रेणी का माना. अदालत ने कहा कि 33 बच्चों का व्यवस्थित तरीके से शोषण करना और उनके प्रति ऐसी नैतिक गिरावट समाज के लिए असहनीय है, जहां सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

अदालत ने केवल सजा ही नहीं सुनाई, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए भी कड़े निर्देश दिए कि सरकार प्रत्येक पीड़ित बच्चे को 10 लाख रुपए का मुआवजा प्रदान करेगी। आरोपियों के घर से जब्त की गई नकदी को भी सभी पीड़ितों में बराबर अनुपात में बांटने का आदेश दिया गया है।सीबीआई ने इस मामले में 10 फरवरी 2021 को आरोप पत्र दाखिल किया था और 26 मई 2023 को आरोप तय किए गए थे. आज के फैसले ने यह साफ कर दिया है कि बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में कानून किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरतेगा।

एमपी के जंगल में दिखा अद्भुत नजारा, शिवलिंग पर सिर रगड़ता नजर आया बाघ

कटनी ,(आरएनएस)। क्या आपने कभी किसी खूंखार जंगली जानवर को भगवान की भक्ति करते देखा है? अगर नहीं, तो मध्य प्रदेश के कटनी जिले से सामने आया एक हैरान कर देने वाला वीडियो आपको अचरज में डाल देगा। ढीमरखेड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले सडार के जंगलों में एक बाघ को भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर अपना सिर रगड़ते हुए देखा गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो वह महादेव से कुछ मांग रहा हो या उनके समक्ष नतमस्तक हो रहा हो। वन्यजीव और आस्था के इस अनोखे संगम का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह दुर्लभ और अद्भुत नजारा बीते बुधवार की देर शाम का बताया जा रहा है। सडार ग्राम के समीप स्थित इस घने जंगल में महादेव का एक प्राचीन शिवलिंग स्थापित है। वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जंगल का राजा माने जाने वाला बाघ बड़े ही शांत स्वभाव से शिवलिंग के पास पहुंचता है। इसके बाद वह काफी देर तक शिवलिंग पर अपना सिर और जीभ रगड़ता रहता है। यह दृश्य देखकर हर कोई हैरान है। सडार और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में बाघों और अन्य जंगली जानवरों की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है।

विकास, नवाचार और किसान समृद्धि का रोल मॉडल बन रहा दतिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सवा 2 हजार करोड़ रूपए की रतनगढ़ परियोजना से 40 हजार किसानों को मिलेगा सिंचाई सुविधाओं का लाभ

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दतिया वीरता और भक्ति का अद्भुत संगम है। यहां आस्था और प्रगति का उत्कृष्ट संगम है। हमारी सरकार दतिया के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विगत वर्ष बुंदेला काल के दतिया महल और गुज्जरा लघु शिलालेख को यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में स्थान मिल गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले की विकास यात्रा अब रूकने वाली नहीं है। आज दतिया विकास, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और किसान समृद्धि का एक रोल मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया में एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ दतिया से भोपाल फ्लाईट भी शुरू हो गई है। खजुराहो से नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के जरिए दिल्ली अब दतिया से चंद घंटों की दूरी पर आ गया है। उन्होंने कहा कि दतिया में मां पीताम्बरा लोक का निर्माण तेजी से प्रगति पर है। इससे जिले के पर्यटन को नए पंख लगेंगे और दतिया को एक नई धार्मिक एवं

आध्यात्मिक पहचान भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दतिया जिले के सेवढ़ा तहसील मुख्यालय में 529 करोड़ लागत के 71 विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि करीब सवा 2 हजार करोड़ रूपए की लागत वाली रतनगढ़ सिंचाई परियोजना से इस क्षेत्र के 40 हजार से अधिक किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले के नशामुक्ति कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पुनीत कार्य के लिए जिलेवासियों को बधाई दी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कभी पेयजल संकट से जूझने वाला दतिया में आज हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर काम चल रहा है। इसका भरपूर लाभ दतिया जिले के किसानों को भी मिलेगा। अब किसानों को सिंचाई के लिए पानी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। दतिया जिले में 1.48 लाख हैक्टेयर से अधिक भू-रकबे में सिंचाई सुविधा का विस्तार होने से यहां कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। विगत दो सालों में यहां 7 लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ जिले के 1.37 लाख से अधिक किसानों को मिल रहा है। फसल बीमा योजना यहां के 1.26 लाख से अधिक किसानों का सुरक्षा कवच बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि और सम्मान के लिए दृढ़-संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसान भाइयों के खाते में सम्मान निधि भेजने की शुरुआत की है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। दोनों समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहकर हर मौसम में काम करते हैं।

भोपाल में आवारा कुत्तों को लेकर महिलाओं पर तलवार से हमला करने वाले का पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल(ए.)। अयोध्या नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों को कालोनी से भगाने के विवाद में महिलाओं पर तलवार से हमला करने वाला मुख्य आरोपी अशोक सिंह चौहान कोई सामान्य पशुप्रेमी नहीं, बल्कि प्रशासनिक पद पर रह चुका ऐसा व्यक्ति है, जिसका अतीत गंभीर आरोपों से भरा रहा है। अयोध्या नगर पुलिस ने शुक्रवार को अशोक और उसके ड्राइवर नफीस अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इससे पहले कांता श्रवण कॉलोनी में दोनों का जुलूस निकाला गया, जहां गुस्साए लोगों ने खुलकर आक्रोश जताया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अशोक सिंह चौहान करीब डेढ़ साल पहले बैतूल में नायब तहसीलदार के पद पर पदस्थ था। एक प्रकरण में निलंबन के बाद उसने प्रशासनिक सेवा छोड़ दी और आष्टा (सीहोर) में पेट्रोल पंप खोल लिया। लेकिन सत्ता, रसूख और दबाव की उसकी आदत नहीं बदली।

1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

भोपाल (ए.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन) अभियान प्रारंभ किया गया था। 27 अक्टूबर, 2025 से राज्य में आरंभ हुए अभियान में लगभग 4 माह तक विभिन्न चरणों में व्यापक एवं प्रभावी कार्यवाही के बाद 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। मतदाता सूची में नाम शामिल करने, विलोपन एवं संशोधन आदि के संबंध में दावे एवं आपत्तियां दिनांक 23/12/2025 से 22/01/2026 तक प्राप्त की गईं। इसके बाद 14 फरवरी 2026 तक निर्वाचन अधिकारियों द्वारा प्राप्त दावे आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया।अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर मध्यप्रदेश के सभी नागरिक इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद एवं अभिनंदन के पात्र हैं।

करंट लगने से माली की मौत

भोपाल(ए.)। गॉधी नगर थाना इलाके में स्थित आईटी पार्क में माली का काम करने वाले एक वृद्ध की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर करीब 12 बजे का बताया गया है, उस सयम वह गार्डन के करीब एक कोने में दीवार के सहारे लघुशंका करने गए थे। वह यहां पहले एक खुले पड़े बिजली के तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए थे। हालांकि उन्हें फौरन ही इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। वहॉ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मलखान सिंह (60) आईटी पार्क में माली की नौकरी करते थे। दोपहर के समय पेड़ो को पानी देने के बाद करीब 12 बजे एक कोने में पेशाब करने पहुंचे। वहॉ बिजली का एक तार पहले से टूटा और खुला पड़ा था। उसकी चपेट में आते ही मलखान को करंट का तगड़ा झटका लगा और वह बुरी तरह झुलस कर वहीं पर बेसूध होकर गिर पड़े। जल्द ही एक साथी ने उन्हें झुलसी हालत में जमीन पर पड़ा देखा और अन्य कर्मचारियों की मदद से फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। वहॉ कुछ देर चले इलाज के बाद उन्होनें दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला कायम कर शव को शनिवार पीएम के बाद परिजनों को सौंपते हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों को सॉफ्ट स्किल्स और संचार कौशल पर प्रशिक्षण आयोजित

भोपाल(ए.)। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा के निर्देशन और जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के मार्गदर्शन में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा 60 वॉलंटियर का प्रशिक्षण रखा गया।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य डेंगू नियंत्रण में स्वयंसेवकों की भूमिका, प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल और व्यावहारिक संचार का आदान - प्रदान के विभिन्न आयामों पर चर्चा और फील्ड स्तर पर कैसे इसे अमल में लाया जाए, जिससे वाहक जनित रोग नियंत्रण में सहायक सिद्ध हो।जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने कहा कि आप सभी अपने क्षेत्र में जाकर लार्वा नष्टीकरण के साथ-साथ लोगों को मच्छर से बचाव के बारे में समझाएं। इसके अलावा डेंगू नियंत्रण में क्या-क्या भूमिका वॉलंटियर्स की हो सकती है, इस बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक रत्लेश सिंह, कृष्णा पटेल और भूमिका साहू द्वारा दिया गया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी किसान सम्मेलन, 24 फरवरी से भोपाल से होगी शुरुआत

भोपाल,(ए.)। प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में कांग्रेस ने देशव्यापी किसान आंदोलन का ऐलान किया है। इसकी शुरुआत 24 फरवरी से भोपाल में किसान महापंचायत के साथ होगी।यह जानकारी मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दी। उन्होंने इस दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक और संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे भी मौजूद रहे।

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि 1965 और 1971 के दशक में अमेरिका द्वारा खाद्यान्न आपूर्ति रोके जाने से देश को गंभीर संकट का सामना करना पड़ा था। हरित क्रांति के बाद भारत ने आत्मनिर्भरता हासिल की, लेकिन अब प्रस्तावित ट्रेड डील से वही खतरे दोबारा पैदा हो सकते हैं। उन्होंने आशंका

जताई कि यदि अमेरिका से सोयाबीन और कपास का आयात बढ़ा तो भारतीय किसानों और छोटे व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा। "कपास में भारत आत्मनिर्भर है, फिर भी आयात किया गया तो किसानों की आय पर गहरा प्रहार होगा,"। प्रदेश प्रभारी चौधरी ने सवाल उठाया कि क्या यह समझौता 'एपस्टीन फाइल्स' या 'अडानी केस' के दबाव में किया जा रहा है? उन्होंने इसे "भारत का अमेरिका के सामने सरेंडर" बताते हुए कहा कि लाखों छोटे उद्योग बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने घोषणा की कि 24 फरवरी से भोपाल से जन-जागरण अभियान की शुरुआत होगी, जो पूरे देश में चलेगा।प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि खेती भारत की रीढ़ है और आज़ादी के बाद कभी विदेशी ताकतों को कृषि क्षेत्र में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार कृषि क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के हवाले करने की दिशा में बढ़ रही है। पटवारी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि इसका असर अब किसानों पर दिख रहा है। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि किसान पुत्र कहलाने वाले मंत्री को किसानों के साथ खड़ा होना चाहिए था। पटवारी ने स्पष्ट कहा, "मध्य प्रदेश का किसान चुप नहीं बैठेगा। यह आंदोलन की शुरुआत है।" आंदोलन की शुरुआत बुधनी में किसान चौपाल और विदिशा से किसान पदयात्रा के साथ होगी।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न, वर्ष 2026-27 की गाइडलाइन दरों पर विस्तृत समीक्षा

भोपाल (ए.)। जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति की बैठक शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य विधायक दक्षिण-पश्चिम भोपाल भगवानदास सबनानी, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद राजपूत सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित गाइडलाइन दरों पर चर्चा करते हुए संपदा पोर्टल से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। ग्राम एवं नगर निवेश द्वारा स्वीकृत अभिन्यास, औद्योगिक क्षेत्रों की स्थिति, नव विकसित क्षेत्रों तथा सघन व्यावसायिक क्षेत्रों की समीक्षा कर बाजार मूल्य निर्धारण के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। जिले में अचल संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालयों में किया जाता है।जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए भोपाल शहर में चार उप पंजीयक कार्यालयों के माध्यम से पंजीयन कार्य संचालित किया जा रहा है। पंजीयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाने के लिए सम्पदा 2.0 का नया इलेक्ट्रॉनिक संस्करण प्रभावी किया गया है।

सम्पदा 2.0 प्रणाली के अंतर्गत पंजीयन से पूर्व संपत्तियों का चयन वास्तविक स्थल निरीक्षण तथा जियो-टैगिंग (अक्षांश-देशांतर आधारित फोटो) के माध्यम से किया जाता है, जिससे संपत्ति का सत्यापन अधिक सटीक एवं पारदर्शी बन सके। वर्ष 2025-26 के पंजीयन डेटा के विश्लेषण में उच्च मूल्य के दस्तावेजों के कारण 1307 लोकेशन की दरों में वृद्धि के सुझाव प्राप्त हुए थे। समीक्षा के दौरान एक ही वार्ड की आसपास की कॉलोनियों में दरों के अत्यधिक अंतर को देखते हुए 203 लोकेशन, पंजीयन अधिकारियों के सर्वे के आधार पर 91 लोकेशन तथा नवीन विकास (चेंज डिटेक्शन) के कारण 37 लोकेशन में दर वृद्धि प्रस्तावित की गई। इसी प्रकार टीएंडसीपी से अभिन्यास स्वीकृति एवं आमजन सुविधा के कारण 38 लोकेशन, नए राष्ट्रीय राजमार्ग/बायपास/रिंग रोड के प्रभाव से 18 लोकेशन तथा नए औद्योगिक एवं विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के कारण 3 लोकेशन प्रभावित पाई गईं। इस प्रकार जिले की कुल 621 लोकेशनों में दर वृद्धि परिलक्षित हुई है। प्रारंभिक प्रस्ताव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं जिला मूल्यांकन समिति ने उप पंजीयकों को निर्देश दिए कि सम्पदा 2.0 पोर्टल में त्रुटिरहित प्रविष्टियाँ सुनिश्चित करें तथा नियमानुसार व्यवहारिक प्रारूप तैयार करें। आम नागरिकों से भी प्रारंभिक प्रस्तावों पर सुझाव सम्पदा 2.0 पोर्टल (https:// sampada.mpigr.gov.in) के माध्यम से आमंत्रित किए जाएंगे।

हेमंत कटारे ने इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर दी सफाई, कहा- "मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं"

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अटेर (भिंड) से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। इस्तीफे की खबरों और भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच हेमंत कटारे ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट कर स्थिति स्पष्ट की और साफ कहा कि उनकी ताकत किसी पद से नहीं, बल्कि

जनता के विश्वास से आती है।कटारे ने अपने पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस उनके स्वर्गीय पिता की विरासत है। फोन न उठाने को लेकर चल रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, मेरे फोन न उठाने पर कृपया भारी-भरकम क़यास ना लगायें। शादी की सालगिरह पर परिवार के साथ समय बिताना कोई राजनीतिक साजिश नहीं, बल्कि मेरा मूलभूत और संवैधानिक अधिकार है। कभी-कभी नेता भी इंसान होता है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए लिखा कि ज्यादा खुशफहमी पालने की जरूरत नहीं है। इस बयान के साथ उन्होंने भाजपा में जाने की अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया। कटारे ने ऐलान किया कि वे सोमवार से सदन में पूरी तैयारी और दस्तावेजों के साथ मौजूद रहेंगे और सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरेंगे। उन्होंने गोमांस, इंदौर के भागीरथपुरा, शंकराचार्य के अपमान, जहरीली हवा-दवा-पानी और भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर आवाज उठाने की बात कही। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा— मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं, वही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

11वीं की छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले मनचले को भाई-भाभी ने सरेराह जमकर धुना

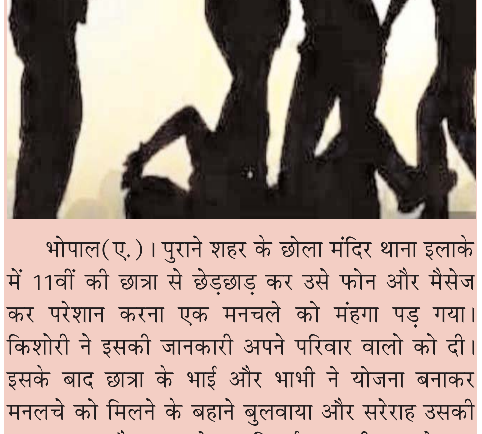

भोपाल(ए.)। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में 11वीं की छात्रा से छेड़छाड़ कर उसे फोन और मैसेज कर परेशान करना एक मनचले को मंहगा पड़ गया। किशोरी ने इसकी जानकारी अपने परिवार वालो को दी। इसके बाद छात्रा के भाई और भाभी ने योजना बनाकर मनलचे को मिलने के बहाने बुलवाया और सरेराह उसकी जमकर जुतमपैजार करते हुए पिटाई लगा दी। इकसे बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। मामले में मिली जानकारी के अनुसार छोला मंदिर इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग स्कूली छात्रा है। आरोपी अनुराग दुबे से उसकी पूर्व से पहचान थी, लेकिन बाद में उसका व्यवहार बदला देख छात्रा ने उससे दुरियां बना ली थी। इसके बाद वह लंबे समय से छात्रा को मैसेज कर परेशान करने लगा। इतना ही नही अनुराग फोन कर उस पर बात करने का दबाव बनाता और स्कूल व कोचिंग आते-जाते समय उसका पीछा कर तंग करता था। आरोपी की लगातार बढ़ती करतूतो से परेशान छात्रा आखिरकार हिम्मत कर सारी बात अपने बड़े भाई और भाभी को बता दी। इसी बीच आरोपी ने मिलने का दबाव बनाया। तब भाई ने छात्रा से कहा की वह आरोपी को मिलने के लिए आने का कहे। जब आरोपी बताये गये समय शुक्रवार देर शाम को तय स्थान पर पहुंचा तब वहॉ पहले से मौजूद छात्रा के भाई और भाभी ने उसकी सरेराह पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया गया है कि पीड़िता नाबालिग के परिवार वालो ने पारिवारिक कारणो के चलते अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने से इंकार किया जिसपर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग की आशंका के तहत धारा 151 की कार्रवाई की है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की दी जानकारी

भोपाल(ए.)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव कुमार झा ने शनिवार को निर्वाचन सदन, भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के अंतर्गत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि शनिवार को पूरे प्रदेश में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 39 लाख 81 हजार 65 है। इनमें पुरुष मतदाता 2 करोड़ 79 लाख 4 हजार 975, महिला मतदाता 2 करोड़ 60 लाख 75 हजार 186 तथा थर्ड जेंडर मतदाता 904 हैं। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी सौंपी गई। उन्होंने

बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में छूट गए हैं अथवा किसी प्रकार का संशोधन है, वे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। श्री झा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राम प्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी, संजय श्रीवास्तव एवं राजेश यादव उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में आम आदमी पार्टी से शैलेन्द्र नागले, बहुजन समाज पार्टी से पूर्णेन्द्र अहिरवार एवं नरेश बनपुरिया, भारतीय जनता पार्टी से विधायक भगवान दास सबनानी, रजनीश अग्रवाल एवं एस.एस. उप्पल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से पी.वी. रविचंद्रन तथा कांग्रेस पार्टी से जे.पी. धनोपिया उपस्थित रहे।

प्रेम विवाह से नाराज़ पिता ने बेटी पर किया हमला

जबलपुर,(ए.)। गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वंशकार मोहल्ले में देर रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां प्रेम विवाह से नाराज़ पिता ने अपनी ही बेटी पर बांस छीलने वाली 'बाकी' से हमला कर दिया। घायल युवती ने थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।गोरखपुर पुलिस थाना से प्राप्त जानकारी अनुसार वंशकार मोहल्ला निवासी आरती वंशकार बांस की टोकरी बनाने का कार्य करती है। उसने करीब एक सप्ताह पूर्व अमित वंशकार से अपनी पसंद से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद 18 फरवरी को वह अपने पिता मुकेश वंशकार के घर आई थी। शुक्रवार शाम वह घर पर मौजूद थी, तभी उसके पिता मुकेश वंशकार प्रेम विवाह को लेकर उससे नाराज़गी जताने लगे।

इसी बात को लेकर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब आरती ने उन्हें गालियां देने से मना किया तो पिता का गुस्सा बढ़ गया।आरोप है कि इसी दौरान मुकेश वंशकार ने बांस छीलने में उपयोग होने वाली 'बाकी' से उस पर हमला कर दिया। वार से आरती की हाथ की कलाई में चोट आई। घटना के बाद आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल युवती ने साहस दिखाते हुए गोरखपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यात्री ट्रेनों के ठहराव के लिए कांग्रेस का धरना प्रर्दशन, रेलवे ने 2 माह का मांगा समय

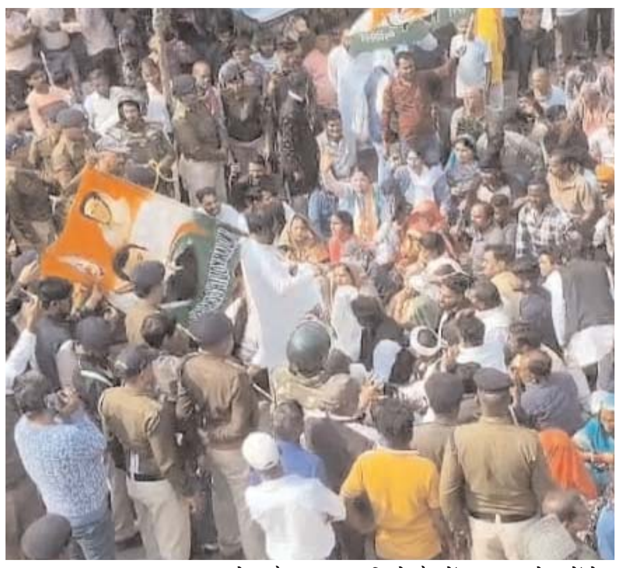

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के वेंकटनगर क्षेत्र में रेल सुविधाओं की बहाली की मांग को लेकर शनिवार को कांग्रेस ने वेंकटनगर रेलवे स्टेशन से 100 मीटर दूर अनूपपुर-वेंकटनगर मार्ग पर मुख्य बाजार में धरना प्रदर्शन किया। रेलवे ने दो माह में व्यवस्था बहाल करने का आश्वासन पत्र दिया, जिसके बाद शाम को धरना समाप्त कर दिया गया। जिले के वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में कोरोना काल के दौरान बंद किए गए यात्री ट्रेनों के ठहराव को पुन- शुरू करने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया था। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के नेतृत्व में जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डु चौहान, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह सहित दर्जनों गांवों से आए कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पहुंचने का प्रयास किया। जिसे आरपीएफ और जिला पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को रेलवे ट्रैक तक पहुंचने से रोक दिया।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के अधिकारियों ने इस व्यवस्था के लिए पहले तीन माह का समय मांगा था। कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताई और जल्द बहाली की मांग की, जिसके बाद रेलवे दो माह में व्यवस्था बहाल करने पर सहमत हो गया।क्षेत्रवासियों का कहना था कि वह उन पारंपरिक ट्रेनों के ठहराव की मांग कर रहे हैं जो कोरोना से पहले वेंकटनगर और निगौरा स्टेशन की मुख्य ट्रेनें थीं। इनमें बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर और बिलासपुर-चिरमिरी-बिलासपुर ट्रेनें शामिल हैं। पिछले चार वर्षों में रेल प्रशासन को कई ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। इन ट्रेनों के ठहराव से कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, गंभीर मरीजों और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर के मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने शुक्रवार को बताया था कि सांसद हिमाद्री सिंह के पत्र के जबाब में रेल मंत्री ने वेंकटनगर स्टेशन में पुरी - ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस, अनूपपुर में रानी कमलापति - संतरागांछी और कोतमा में अंबिकापुर - हजरत निजामुद्दीन ट्रेन स्टापेज को स्वीकृति दे दी है। जिसे 27 फरवरी को सांसद द्वारा अनूपपुर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी और शेष ट्रेनों का ठहराव भी शीघ्र शुरु हो जाएंगे। जनसंपर्क अधिकारी, डीआरएम बिलासपुर, अंबिकेश साहू ने बताया कि कांग्रेस का रेल रोको धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिसके कारण ट्रेनों का आवागमन सामान्य रहा। उन्होंने पुष्टि की कि रेलवे की ओर से दो माह का समय दिया गया है और जल्द ही ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था बनाई जाएगी।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई:-

'डिजिटल गिरफ्तारी' का डर दिखाकर ठगी करने वाले 20 आरोपी गिरफ्तार, 1.07 करोड़ का मशरुका जब्त

शिवपुरी, (ए.)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में सायबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अश्लील वीडियो रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेलिंग तथा 'डिजिटल गिरफ्तारी' का भय दिखाकर ठगी करने वाले 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 1 करोड़ 7 लाख रुपये मूल्य का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार प्रदेशभर में सायबर अपराधों एवं म्यूल (फर्जी बैंक खाते) धारकों के विरुद्ध विशेष अभियान 'ऑपरेशन मेट्रिक्स' संचालित किया जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा एवं एडीजी सायबर ए. साई मनोहर के निर्देशन में की गई। ग्वालियर जोन के पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना एवं पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी द्वारा म्यूल खाताधारकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के नेतृत्व में जिले में सायबर जागरूकता अभियान के साथ त्वरित कार्रवाई के लिए एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में नौ पुलिस टीमों का गठन किया गया।

पापी पिता: अपनी ही बेटी से करता था दरिंदगी, डरा-धमकाकर कई बार लूटी अस्मत; दादी ने रोका तो उन पर भी किया हमला

शिवपुरी(ए.)। शिवपुरी के पोहरी थाना क्षेत्र में एक पिता द्वारा अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग की शिकायत पर पोहरी थाना पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पिता जयपुर में मजदूरी करता है। वह जब अपने गांव आया था, तब अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस बार यह घटना परिजनों के सामने हुई, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। जानकारी के मुताबिक नाबालिग अपनी दादी के साथ सो रही थी, तभी रात करीब 9 बजे आरोपी पिता वहां पहुंचा। उसने बेटी को जबरन कमरे में ले जाने की कोशिश की। नाबालिग की दादी ने इसका विरोध किया, लेकिन आरोपी ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। जब तक दादी ने नाबालिग के भाइयों और ताऊ को बुलाया, तब तक आरोपी घटना को अंजाम दे चुका था। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने अब तक चार बार उसके साथ गलत काम किया है। घटना के बाद परिजन रात में ही नाबालिग को लेकर पोहरी थाना पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया है कि आरोपी पिता हर बार जब घर आता था, तो अपनी बेटी को डरा धमका कर उसके साथ हैवानियत की घटना को अंजाम देता था। घटना के बाद उसे जान से मारने की धमकी देता था। लेकिन अबकी बार नाबालिक ने यह पूरी घटना अपने दादा और दादी को बताई। उसके बाद इस दरिंदे पिता की करतूत का खुलासा हुआ।

कार और ट्रक की हुई भिडंत में तीन घायल

आगरमालवा, (ए.) । मध्य प्रदेश के आगरमालवा जिले में उज्जैन-झालवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 552-जी पर पर ग्राम कीटखेड़ी जोड पर आज शनिवार को हुए एक सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गये, जिनका प्राथमिक उपचार सुसनेर सिविल अस्पताल में किया तथा इलाज के लिये राजस्थान के झालावाड़ रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार राजगढ़ जिले के ग्राम पिपल्याकुल्मी निवासी एक परिवार कार में सवार होकर उज्जैन महाकाल के दर्शन करने जा थे कि ग्राम कीटखेड़ी जोड़ के समीप एक ट्रक से हुई जोरदार टक्कर में कार में सवार धीरज पुत्र पूनमचंद पाटीदार, शानू पत्नी धीरज पाटीदार तथा मोनिका पत्नी देवीलाल पाटीदार घायल हो गये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दतिया जिले के सेवढ़ा में सिंध नदी सेतु का उदघाटन किया।

फसल कटाई करने जा रहे मजदूरों से भरा ऑटो पलटा, 7 लोग घायल

दमोह, (ए.)। मध्य मध्य प्रदेश के दमोह जिले में देहात थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ चौकी अंतर्गत देवलाई गांव में शनिवार दोपहर मजदूरों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पुलिया पर पलट गया। इस हादसे में सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम सीतानगर से 10 मजदूर फसल कटाई के लिए बमूरा हार गांव जा रहे थे। इसी दौरान देवलाई की पुलिया पर पहुंचते ही ऑटो अनियंत्रित हो गया और पलट गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए।

व्यापार समाचार

रिटायरमेंट की टेंशन खत्म! पीपीएफ से बिना रिस्क बनाएं 1 करोड़ का फंड, हर महीने मिलेगी 61,500 रुपये की शानदार पेंशन

नई दिल्ली (ए.) । बुढ़ापे में पैसों की चिंता अमूमन हर इंसान को सताती है। लोग अक्सर सोचते हैं कि नौकरी के बाद उनका खर्च कैसे चलेगा और इसके लिए वे शेयर बाजार जैसे जोखिम भरे विकल्पों की ओर भागने लगते हैं। लेकिन अगर आप बिना कोई रिस्क उठाए एक सुरक्षित और तय आमदनी का मजबूत जरिया तलाश रहे हैं, तो सरकार की एक बेहद लोकप्रिय योजना आपकी सारी चिंताएं दूर कर सकती है। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ की। इस स्कीम में अनुशासित तरीके से किया गया लंबी अवधि का निवेश आपको न सिर्फ करोड़पति बना सकता है, बल्कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मूल रकम को सुरक्षित रखते हुए हर महीने एक मोटी और टैक्स-फ्री आमदनी का भी पक्का इंतजाम कर सकता है।

पीपीएफ ही क्यों है सुरक्षित भविष्य के लिए पहली पसंद

पीपीएफ दशकों से भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली लॉन्ग-टर्म सेविंग्स स्कीम बनी हुई है। इसे सीधे तौर पर सरकार का समर्थन प्राप्त है, जो इसे बाजार के सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में लाकर खड़ा कर देता है। आयकर अधिनियम की पुरानी व्यवस्था के तहत सेक्शन 80सी में निवेशकों को टैक्स छूट का लाभ मिलता है और सबसे बड़ी बात यह है कि मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी रकम टैक्स-फ्री होती है। फिलहाल सरकार इस पर 7.1 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज दे रही है, जिसकी हर तिमाही समीक्षा की जाती है। हालांकि 1990 और 2000 के दशक की तुलना में अब ब्याज दरें कम हुई हैं, लेकिन गिरती ब्याज दरों के इस दौर में भी अन्य फिक्स्ड-इनकम वाले विकल्पों की तुलना में इसका टैक्स-फ्री रिटर्न सुरक्षित भविष्य चाहने वाले निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक बना हुआ है।

खाते के संचालन और निवेश से जुड़े कुछ खास नियम

इस सरकारी योजना में निवेश के नियम बेहद सरल और स्पष्ट हैं। कोई भी नागरिक एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का निवेश कर सकता है। पीपीएफ खाते का लॉक-इन पीरियड 15 साल का होता है, लेकिन आप इसे अपनी सुविधानुसार आगे भी बढ़ा सकते हैं। 15 साल पूरे होने के बाद इसे पांच-पांच साल के ब्लॉक में हमेशा के लिए बढ़ाया जा सकता है। यह विस्तार नए निवेश के साथ या उसके बिना भी किया जा सकता है। अगर आप 15 साल बाद भी निवेश जारी रखना चाहते हैं, तो मैच्योरिटी के एक साल के भीतर आपको फॉर्म एच जमा करना अनिवार्य होता है। इस खाते में ब्याज की गणना हर महीने की 5 तारीख के बाद सबसे कम बैलेंस पर की जाती है, जो सालाना कंपाउंड होकर वित्तीय वर्ष के अंत में आपके खाते में जुड़ जाती है।

ऐसे तैयार होगा 1 करोड़ रुपये का मोटा फंड

करोड़पति बनने का गणित काफी सीधा है। अगर आप पीपीएफ खाते में हर साल अधिकतम सीमा यानी 1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और ब्याज दर 7.1 फीसदी बनी रहती है, तो 15 साल बाद आपके पास 40.68 लाख रुपये का फंड तैयार हो जाएगा। यदि आप इसे अगले पांच साल के लिए बढ़ाते हैं (यानी कुल 20 साल के लिए), तो यह रकम बढ़कर 66.58 लाख रुपये हो जाएगी।

वहीं, दूसरे पांच साल के एक्सटेंशन के बाद यानी कुल 25 सालों के निरंतर निवेश के बाद आपका यह कॉर्पस बढ़कर 1.04 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को छू लेगा। इस तरह शुरुआती 15 साल की मैच्योरिटी के 10 साल बाद तक निवेश जारी रखकर आप एक करोड़ रुपये का लक्ष्य बड़ी ही आसानी से हासिल कर सकते हैं।

1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर बंद हो सकती है कैश पेमेंट, पूरी तरह डिजिटल टोल सिस्टम लागू करने की योजना

नई दिल्ली (ए.) सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) देश भर के नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल 2026 से नकद लेनदेन पूरी तरह बंद करने पर विचार कर रहा है। इस कदम से नेशनल हाईवे पर पूरी तरह डिजिटल टोलिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। योजना लागू होने के बाद सभी टोल भुगतान केवल डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे, जिनमें फास्टैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से मिली उपलब्धियों को मजबूत करना और टोल प्लाजा संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाना है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह बदलाव नेशनल हाईवे उपयोगकर्ताओं के लिए 'ईज ऑफ कम्यूटिंग' को बेहतर बनाएगा। इससे लेन की क्षमता बढ़ेगी, टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी और टोल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता आएगी। देश में फास्टैग की पहुंच 98 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जिससे टोल संग्रह प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है।

Reliance के शेयरों में आने वाला है भारी उछाल, मॉर्गन स्टेनली ने दिया 1800 पार का टारगेट

मुंबई (ए.)। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी और सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों को लेकर बाजार विशेषज्ञ बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने निवेशकों को रिलायंस के शेयर खरीदने की जोरदार सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म ने कंपनी की रेटिंग में सकारात्मक बदलाव करते हुए इसके शेयरों में करीब 28 फीसदी के शानदार उछाल का अनुमान जताया है, जिसके बाद से निवेशकों में इस स्टॉक को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार नए सेक्टर्स में अपने कारोबार का तेजी से विस्तार कर रही है। विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर को लेकर कंपनी की आक्रामक रणनीतियों ने ब्रोकरेज फर्मों का भरोसा और मजबूत कर दिया है। हाल ही में भारत में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अगले सात सालों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये के विशाल निवेश की ऐतिहासिक घोषणा की है।

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज

- ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार ने 20 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया, लेकिन सप्ताह के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ बंद किया। सप्ताह के दौरान वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेत, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी। हालांकि, ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया और हफ्ते के आखिरी दिन मामूली सुधार देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को कमजोर रही। सेंसेक्स 82,276.95 अंक पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद 537.49 अंक की तेजी के साथ 83,164.25 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 25,372.70 से 25,660 तक बढ़ा। मंगलवार को भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन इंफोसिस और आईटीसी जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 173.81 अंक और निफ्टी को 42.65 अंक ऊपर लाकर बाजार को स्थिर किया। बुधवार को बाजार में मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 283.29 अंक बढ़कर 83,734.25 और निफ्टी 93.95 अंक की बढ़त के साथ 25,819.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को स्थिति बदल गई। सेवा और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में बिकवाली के दबाव ने सेंसेक्स को 1,236.11 अंक गिराकर 82,498.14 और निफ्टी को 365 अंक घटाकर 25,454.35 पर ला दिया, जो सप्ताह का सबसे नकारात्मक दिन था। शुक्रवार को बाजार ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए बैंकिंग और पूंजीगत वस्तुओं में खरीदारी से सुधार दिखाया। सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 और निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में, सेंसेक्स ने लगभग 538 अंक और निफ्टी ने 199 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की। इस सप्ताह की गतिविधियों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय निवेशक वैश्विक अनिश्चितताओं और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भी सतर्क रहते हुए चुनिंदा खरीदारी कर बाजार को स्थिर बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

व्हाट्सएप ने रोलआउट किया धांसू फीचर, अब ग्रुप में जुड़ने वाले नए मेंबर्स को आ जाएगा मजा

नई दिल्ली (ए.)। मेटा के स्वामित्व वाले लोकप्रिय मेसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने अपने यूजर्स की एक बड़ी परेशानी को दूर करते हुए 'ग्रुप मैसेज हिस्ट्री' नाम का एक बेहद काम का नया फीचर रोलआउट किया है। यह बड़ा अपडेट विशेष रूप से उन ग्रुप्स के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, जहां अक्सर नए लोगों को जोड़ा जाता है। अब तक किसी भी नए सदस्य को ग्रुप में ऐड किए जाने पर वह केवल उसी समय के बाद के मैसेज पढ़ पाता था, जिससे उसे चल रही बातचीत का संदर्भ समझने में काफी दिक्कत होती थी। इस नए फीचर के आने से अब ग्रुप में शामिल होने वाले नए मेंबर्स उन हालिया संदेशों को भी आसानी से देख सकेंगे, जो उनके जुड़ने से पहले भेजे गए थे। इससे ग्रुप ऑनबोर्डिंग आसान होगी और नए सदस्य को बार-बार पुरानी बातों के बारे में पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी। व्हाट्सएप का यह नया फीचर पूरी तरह से वैकल्पिक (ऑप्शनल) रखा गया है, जिसका पूरा नियंत्रण केवल ग्रुप एडमिन के पास ही होगा। एडमिन यह तय कर सकेंगे कि वे नए जुड़ने वाले सदस्यों के साथ पुरानी चैट हिस्ट्री शेयर करना चाहते हैं या नहीं। इसके साथ ही, एडमिन को यह भी चुनने का विकल्प मिलेगा कि वे कितने पुराने मैसेज शेयर करना चाहते हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी शुरुआत कम से कम 25 मैसेज के साथ की जा सकती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' विवाद

यह समझ समस्याग्रस्त है कि सेना में अपनी पूरी कामकाजी जिंदगी गुजारने वाले व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की परवाह नहीं करते अथवा सत्तासीन लोग विपक्षी दलों या नेताओं की तुलना में राष्ट्रीय सुरक्षा के अधिक बड़े पहरुआ हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष एम.एम. नरावणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर उठे विवाद के बाद अब खबर है कि केंद्र पूर्व सैन्यकर्मियों की किताब के प्रकाशन के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इस बारे में रक्षा मंत्रालय में हाल में बैठक हुई, जिसमें ऐसे मामलों में सरकारी गोपनीयता कानून के प्रावधानों को भी लागू करने पर विचार हुआ। अभी जो कायदा है, उसमें इस अधिनियम के प्रावधान शामिल नहीं हैं। दरअसल, कार्यरत सैन्यकर्मियों के मामलों में तो विभिन्न वैधानिक एवं सेवा संबंधी शर्तें लागू होती हैं, लेकिन रिटायर्ड कर्मियों की किताबों का प्रकाशन को रोकने का कानून तो दूर, सेवा संबंधी नियम भी तय नहीं हैं। तो नरेंद्र मोदी सरकार के अंदर ये समझ बनी है कि इस कमी को दूर किया जाना चाहिए, ताकि इस तरह के प्रकाशनों से राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी ना हो, और ना ही गोपनीय समझी जाने वाली सूचनाएं सार्वजनिक हो पाएं। सरकारी सूत्रों का दावा है कि रिटायर्ड सैन्य कर्मी भले सेना कानून या सेना के नियमों से बंधे हुए ना हों, मगर गोपनीयता संबंधी नियम उन पर भी लागू होते हैं। मगर मुद्दा यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा एवं उसके संदर्भ में गोपनीय सूचनाओं की परिभाषा क्या है तथा उसे कौन तय करेगा? क्या इस मामले में सरकार राष्ट्रीय बहस कराएगी, जिसमें विपक्षी विचारों को भी व्यक्त होने का पूरा अवसर मिले? क्या नए कायदे राजनीतिक आम सहमति से तय होंगे या सत्ता पक्ष खुद को राष्ट्रीय सुरक्षा का एकमात्र प्राधिकारी मानते हुए नियम तय कर देगा? यह समझ समस्याग्रस्त है कि सेना में अपनी पूरी कामकाजी जिंदगी गुजारने वाले व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की परवाह नहीं करते अथवा सत्तासीन लोग विपक्षी दलों या नेताओं की तुलना में राष्ट्रीय सुरक्षा के अधिक बड़े पहरुआ हैं। विपरीत नजरिया यह है कि अधिकतम संभव पारदर्शिता किसी सिस्टम के अंदर मौजूद कमियों दूर करने में अधिक सहायक होती है। किसी किताब से ऐसा प्रकरण या आम चलन सार्वजनिक होता है, जिससे नुकसान हुआ हो, तो उसे सामने आने दिया जाना चाहिए। असल में उस पर पर्देदारी से राष्ट्रीय सुरक्षा कहीं अधिक क्षतिग्रस्त होगी।

आरक्षण की व्यवस्था जस की तस

अजीत द्विवेदी

लोक कल्याण या एफर्मेटिव एक्शन से जुड़े हर कानून में या हर नीतिगत फैसले में एक 'एक्जिट क्लॉज' या 'सनसेट क्लॉज' होता है। यह इसलिए जरूरी होता है ताकि जब कानून का उद्देश्य पूरा हो जाए तो उसे समाप्त किया जा सके। हालांकि भारत में ऐसा होता नहीं है। संविधान बनाने वालों ने आरक्षण को 10 साल और अंग्रेजी को 15 साल तक कामकाज की भाषा रखने का कानून बनाया था। लेकिन आजादी के 77 साल बाद तक दोनों चीजें बनी हुई हैं। आजादी के 77 साल बाद आरक्षण की व्यवस्था न सिर्फ जस की तस चल रही है, बल्कि उसमें नए नए किस्म के आरक्षण जुड़ रहे हैं। आरक्षण बढ़ाने और उसके दायरे का विस्तार करने की मांग भी उठ रही है और हैरानी नहीं होगी, अगर अगले साल होने वाली जाति जनगणना के बाद आरक्षण बढ़ाया जाए और उसके दायरे में निजी क्षेत्र और उन सभी क्षेत्रों को भी लाया जाए, जो अभी उसके दायरे से बाहर हैं।

'मुफ्त की रेवड़ी' का मामला भी आरक्षण की व्यवस्था की तरह होता जा रहा है। कोई भी लोक लुभावन घोषणा ऐसी ही होती है। वह शेर की सवारी की तरह है। उस पर सवारी तो सर्वशक्तिमान होने का अहसास कराती है लेकिन यह खतरा हमेशा रहता है कि उस पर से गिरे तो शेर खा जाएगा। इसी चिंता में कोई भी पार्टी आरक्षण की व्यवस्था खत्म करने के बारे में नहीं सोचती है, उलटे आगे बढ़ कर श्रेय लेती है कि उसने आरक्षण में और क्या क्या जोड़ दिया। इसी तरह इन दिनों 'मुफ्त की रेवड़ी' का मामला है। भले ही अर्थव्यवस्था का रक्तस्राव बढ़ता जा रहा है और हालत बिगड़ती जा रही है लेकिन कोई इसे खत्म करने की हिम्मत नहीं कर सकता है। उलटे सभी राज्य हर चुनाल से पहले नकद बांटने की कोई न कोई नई योजना घोषित कर रहे हैं।

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बजट पेश किया तो महिलाओं के मिलने वाली मासिक आर्थिक मदद को एक हजार रुपए से बढ़ा कर डेढ़ हजार कर दिया। साथ ही बेरोजगार युवाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना देने की घोषणा की। बजट में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनेगी तो 15 अगस्त 2026 से युवाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना दिया जाएगा। लेकिन उनको लगा कि अगस्त से देने का वादा शायद ज्यादा वोट नहीं दिला सके तो उन्होंने ऐलान कर दिया कि चुनाव से पहले ही बेरोजगारों को यह पैसा मिलने लगेगा। पश्चिम बंगाल सरकार एक अप्रैल से युवाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना देगी। ध्यान रहे अप्रैल में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। जाहिर है इसका मकसद चुनाव को प्रभावित करना है। बिहार में इसी तरह चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार की सरकार ने मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत हर घर की एक महिला को 10 हजार रुपए देना शुरू किया। झारखंड में मइया सम्मान योजना ने हेमंत सोरेन की सरकार को लगातार दूसरी बार जीतने में मदद की। मध्य प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से राजधानी दिल्ली तक किसी न किसी रूप में एक से ज्यादा 'मुफ्त की रेवड़ी' वाली योजनाएं चल रही हैं। इस साल आम बजट से पहले केंद्र सरकार ने जो आर्थिक सर्वे पेश किया उसमें 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने वाली योजनाओं को लेकर चिंता जताई गई। कहा गया कि इससे लोगों को तत्काल फायदा तो होता है लेकिन लंबे समय में इसका नुकसान हो रहा है। फायदे का तो पता नहीं है लेकिन नुकसान को लेकर कई आंकड़े पहले भी सामने आ चुके हैं। महिला को नकद रुपए देने की योजना पर राज्यों का कुल खर्च सालाना दो लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। कई सर्वेक्षणों में बताया गया कि नकद पैसे और मुफ्त की वस्तुओं और सेवाओं की वजह से लोगों में काम करने की इच्छा कम हो रही है। महाराष्ट्र में माझी लड़की बहिन योजना के बाद महिलाओं की कामकाज में भागीदारी कम होने की खबर आई थी।

ध्यान रहे देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम ही हैं और असंगठित क्षेत्र में रोजगार बहुत मुश्किल भी है और श्रमसाध्य भी है। सरकारें उसे ठीक नहीं कर पा रही हैं। इस बीच लोगों को नकद पैसे मिल रहे हैं और मुफ्त में सेवाएं व वस्तुएं भी मिल रही हैं, जिससे बहुत आरामदेह तो नहीं लेकिन जीवन जीने की स्थितियां मिल रही हैं। इसका असर उत्पादकता पर पड़ रहा है। भारत को इस समय मुफ्त की वस्तुएं, सेवाएं और नकद बांटने की बजाय श्रम शक्ति के सार्थक इस्तेमाल की नीतियां बनाने की जरुरत है। लोगों को सम्माननजक रोजगार और वेतन मिले इसके उपाय करने की जरुरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि यूरोपीय संघ से लेकर अमेरिका तक के साथ भारत की व्यापार संधि हो रही है और भारत के उत्पादों के लिए दुनिया का बाजार खुल रहा है। अगर भारत में विनिर्माण सेक्टर मजबूत होता है और कृषि व पशुपालन के क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ती है तो करोड़ों करोड़ लोगों का जीवन संवारना आसान हो जाएगा।

इसकी बजाय अगर भारत में मुफ्त की रेवड़ी बांटने का चलन जारी रहता है तो इन बदली हुई स्थितियों का लाभ उठाना मुश्किल हो जाएगा। साथ ही राज्यों की हालत और बिगड़ती जाएगी। उनका खर्च और कर्ज दोनों बढ़ेगा। जैसे जैसे कर्ज बढ़ेगा वैसे वैसे ब्याज चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होगी। इससे लोक कल्याणकारी योजनाओं के साथ साथ शिक्षा व स्वास्थ्य का खर्च कम होगा और बुनियादी ढांचे के विकास का खर्च भी कम होगा। राज्यों की लगातार बिगड़ती अर्थव्यवस्था की वजह से कई राज्यों में सरकारों ने इस बारे में सोचना शुरू किया है। लेकिन वही शेर की सवारी वाली बात है इसलिए कोई अपनी तरफ से आगे बढ़ कर ऐसी योजनाओं को रोकने की हिम्मत नहीं कर रहा है।

लेकिन अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने विचार के लिए पहुंचा है और चीफ जस्टिस ने इस पर विचार के लिए तीन जजों की बेंच का गठन कर दिया है। कायदे से पहले ही पांच जजों की बेंच बना कर संविधान पीठ में ही सुनवाई होती तो बेहतर होता। लेकिन तीन जजों की बेंच भी लोक कल्याण को परिभाषित कर सकती है और 'मुफ्त की रेवड़ी' व लोक कल्याण का फर्क समझा जा सकती है। ज्यादातर राज्य सरकारें चाहेंगी कि सुप्रीम कोर्ट कोई रूलिंग दे तो वे उसको लागू करें और नकद पैसे बांटने या सेवाएं व वस्तुएं मुफ्त में उपलब्ध कराने की योजनाओं को बंद करें। ध्यान रहे इस देश में बहुत सारे अलोकप्रिय या राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों को अदालत के फैसलों से सुलझाया गया है। 'मुफ्त की रेवड़ी' का मामला भी उसी रास्ते पर बढ़ता दिख रहा है। लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि राज्य इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। क्योंकि जब मामला सुप्रीम कोर्ट में सुना जाएगा तो केंद्र से लेकर राज्यों तक को नोटिस भेजा जाएगा या खुद राज्य सरकारें पक्षकार बनेंगी। ध्यान रहे मुफ्त शिक्षा व स्वास्थ्य से लेकर बुजुर्गों, दिव्यांगों, महिलाओं, किसानों, बेरोजगारों आदि के लिए जन कल्याण की योजनाएं पहले भी चलती थीं। उन्हें किस रूप में जारी रखना है यह अदालत को तय करना है। लोक कल्याण और 'मुफ्त की रेवड़ी' का फर्क साफ साफ बताना होगा ताकि बाद में सरकारें चुनावी फायदे के लिए सरकारी खजाना लुटाने वाले काम नहीं कर सकें और साथ ही जरुरतमंदों को मदद भी मिलती रहे। महिलाओं को पैसे बांट कर बिहार चुनाव जीतने के आरोप लगाते हुए प्रशांत किशोर पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। उनकी याचिका तो खारिज हो गई लेकिन अदालत ने कहा कि वह इस मामले को देख रही है। उम्मीद करनी चाहिए कि सर्वोच्च अदालत से कोई स्पष्ट आदेश आएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुवाहाटी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वें स्थापना दिवस परेड के दौरान बोलते हुए।

चीनी टैंक ठिठक कर रुके

हरिशंकर व्यास

सोचे, कल्पना करें भारत के सेनापति के 31 अगस्त 2020 की रात 8.15 बजे से 10.30 तक के क्षणों पर। तब चार टैंक लिए चीनी पैदल सेना भारत की सीमा की और बढ़ रही थी। कहां लद्दाख के रेज़िन ला इलाके में। उत्तरी कमांड के जनरल योगेश जोशी ने 8.15 बजे भारत के सेनापति जनरल एमएम नरवणे को फोन पर चीनी सैनिकों, टैंकों के बढ़ने की आपतकालीन सूचना दी और पूछा-क्या आदेश है? थलसेना प्रमुख जनरल नरवणे ने तुरंत रक्षा मंत्री, एनएसए, विदेश मंत्री, एनएसए, सीडीएस को फोन किया। संकट और उसकी गंभीरता बताई। और 'आदेश' के लिए कहां। शायद इसलिए भी क्योंकि सेना को आदेश था कि 'सबसे ऊपर से मंजूरी मिलने तक गोली नहीं चलानी है।' पर थलसेना प्रमुख के लगातार फोन करने, आदेश मांगने के बावजूद न कोई आदेश! न सुरक्षा मामलों की केबिनेट सीसीएस की आपतकालीन बैठक।

ले.जनरल योगेश जोशी ने 9.10 पर वापिस सेना प्रमुख को फोन कर पूछा कि क्या आदेश है? ले. जनरल ने सेना चीफ को सूचना दी टैंक आगे बढ़ते जा रहे हैं, और अब वे चोटी से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं, आदेश दे? सेना प्रमुख ने फिर सभी को (रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल और सीडीएस जनरल बिपिन रावत) फोन किया, ताजा स्थिति बताई और साफ निर्देश मांगे। हालात तनावपूर्ण थे। फोन लगातार बज रहे थे।

जनरल नरवणे की किताब के जो अंश सामने आए हैं उसके मुताबिक उन्होंने अपनी पुस्तक में लिखा है, हर किसी से मेरा एक ही सवाल था, 'मेरे आदेश क्या हैं? हर किसी से मेरा एक ही सवाल था, 'मेरे आदेश क्या हैं?' पीएलए कमांडर मेजर जनरल लियू लिन के साथ हॉटलाइन पर (सेनाधिकारियों ने) बातचीत की। इसमें सुझाव दिया गया था कि दोनों पक्ष कोई भी कदम न उठाएं और अगले दिन सुबह 9.30 बजे दोनों स्थानीय कमांडर दर्रे पर मिलें। इसकी सेना प्रमुख ने रात 10 बजे रक्षा मंत्री और एनएसए को जानकारी दी। मैंने अभी फोन रखा ही था कि 10.10 बजे ले.जनरल योगेश जोशी ने फिर फोन किया। उसने बताया कि टैंक फिर से आगे बढ़ने लगे हैं और अब सिर्फ करीब 500 मीटर दूर हैं।,

सेना चीफ ने फिर ऊपर फोन किया। पर कोई स्पष्ट आदेश नहीं। इसलिए क्योंकि 'सबसे ऊपर से' किसी को निर्देश नहीं था। आखिरकार रात 10.30 बजे सेनापति को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, जो उचित समझो, वह करो।

सोचें, वह जवाब, वह समय, वे क्षण भारत के सेनापति के लिए कितने भारी रहे होंगे। जिस 'सबसे ऊपर' यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आदेश आना था वह कहां थे? क्यों दुबके हुए थे? क्या वे मिजाज अनुसार हैरान-परेशान-भयाकुल कमंडल नहीं तलाश रहे होंगे? मेरा क्याजी मैं तो कमंडल उठा कर चल पड़ूंगा। शासन के कायदे (शास्त्री के पाकिस्तान से लड़ने से लेकर कारगिल के वाजपेयी संकट में कैबिनेट कमेटी की बैठक परंपरा) अनुसार प्रधानमंत्री को क्या एनएसए, कैबिनेट सचिव को देश की सुरक्षा पर आए आकस्मिक खतरे में सीसीए यानी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक बुलानी नहीं चाहिए थी? प्रधानमंत्री ने सेनापति को घर बुलाकर मंत्रणा भी नहीं की। ध्यान रहे भारत का सेनापति दिल्ली में ही रहता है। ये सभी आला चेहरे लुटियन दिल्ली के एक किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। मगर सेना प्रमुख बस इंतजार करते रहे 'सबसे ऊपर..' के दो शब्द सुनने के लिए।और दो घंटे की सतत कोशिश के बाद उन्हें इतना भर कहा गया, जो उचित समझो, वह करो।सलाम सेनापति जनरल नरवणे और उत्तरी कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल जोशी को जो इन्होंने तय किया कि चीनी सेना को रोकने का एकमात्र तरीका मध्यम तोपखाने से फायर खोलना है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा मौका ही न दें। आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे। इस राशि के जो लोग विज्ञान से जुड़े हैं, आज उन्हें किसी नयी खोज में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बीतेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा, एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिल सकता हैं ।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्य स्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें। आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बीतेगा आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी।

कन्या राशि : आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा । आज आप पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं ।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है । इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है । स्वास्थ्य को लेकर आज आप सतर्क रहेंगे। आज कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि : आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है ।

कुंभ राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है। ऑफिसियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता हैं।

(विचार मंथन) अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने बताए ट्रंप के अधिकार, टैरिफ रद्द

– सनत जैन

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की खंडपीठ ने 6 जजों के बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले 1 साल मैं जिन देशों के ऊपर टैरिफ लगाया गया था, उसको अवैध करार दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिकांश देशों पर टैरिफ लगाकर समझौते के लिए जो दबाव बनाया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को इस तरह से टेरिफ़ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं था। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग करके, सारी दुनिया के देशों को डरा-धमकाकर मनमाफिक तरीके से समझौते करना चाहते थे। इसमें कुछ हद तक डोनाल्ड ट्रंप सफल भी हो गए हैं। भारत जैसे बड़े राष्ट्र को उन्होंने अपने शिकंजे में कस लिया है। भारत के साथ उन्होंने द्विपक्षी व्यापार मे टैरिफ को लेकर समझौता करने में सफल रहे हैं। इसी तरह का समझौता उन्होंने कई अन्य देशों के साथ भी पिछले कुछ महीनो में किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ का भय दिखाकर जो समझौते किए हैं। उस समझौते में कहीं ना कहीं ट्रंप का परिवार का फायदा शामिल है। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के मित्र देशों और दुनिया के अन्य देशों में टैरिफ का भय दिखाकर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अमेरिका की साख को एक बड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इसके साथ ही टेरिफ़ के कारण अमेरिका की महंगाई बढी है, अमेरिका के व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ है। टैरिफ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को भोगना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने। इसके बाद अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। एक तरह से उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल का फायदा अपने परिवार को पहुंचाने के लिए, जो रणनीति अपनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के निर्णय की समीक्षा कर उसे पूरी तरह से अवैध करार

कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस तरह के अधिकार केवल संसद को प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ अधिकार आपातकालीन स्थितियों के लिए दिए गए थे। टेरिफ़ का निर्णय विषम परिस्थिति मे किसी एक या दो राष्ट्रों के साथ हो सकती थी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने इस कानून के तहत आपातकालीन अधिकार का इस्तेमाल करके मनमाने तरीके से टेरिफ़ लगाए गए हैं। वह अधिकारों का दुरुपयोग है। अमेरिका के व्यापारी यह मुकदमा विभिन्न अदालतों में लड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सभी अदालत से ट्रंप को मुंह की खानी पड़ी थी। टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ रही थी। अमेरिका के व्यापारियों के व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे थे। ट्रंप का दावा था, टैरिफ लगाने से लगभग 600 अरब डॉलर का फायदा अमेरिका को हुआ है। इसका भार अमेरिका के नागरिकों और अमेरिका के व्यापारियों पर पड़ा है। टेरिफ़ को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर दिखाना पूरी तरह गलत था। अब यह बात सामने आ गई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अधिकारों का दुरुपयोग किया है। असल में अमेरिका मे इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट लागू है । इसके तहत राष्ट्रपति को गंभीर खतरा और असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में कुछ विशेष शक्तियां दी गई थी। इन शक्तियों के माध्यम से राष्ट्रपति तात्कालिक रूप से विदेशी लेनदेन पर रोक या प्रतिबंध लगा सकते थे। इस अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ट्रम्प ने टैरिफ के माध्यम से दुनिया के सभी देशों को डरा धमकाकर मनमाने तरीके से समझौता करने का जो दवाब बनाया था। वह अमेरिकी हितों के लिए नहीं, वरन ट्रंप परिवार के लिए उपयोगी था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ना तय हैं। पिछले 1 वर्ष में इस तरह के आरोप ट्रम्प पर लग रहे हैं। वह अपने पारिवारिक और व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस फैसले के बाद निश्चित रूप से डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। भारत-पाकिस्तान बांग्लादेश एवं कुछ अन्य देशों के साथ जो समझौतेअमेरिका द्वारा किए गए हैं। वह भविष्य में भी मान्य रहेंगे। समझौता दोनों पक्षों की सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौते नहीं किए हैं। उनके टैरिफ अपने आप रद्द हो जाएंगे। अमेरिका की सरकार को कंपनियों और व्यापारियों को टेरिफ के कारण जो राजस्व अमेरिकी सरकार द्वारा वसूला गया था। उसे वापस भी करना पड़ सकता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दादागिरी करते हुए अपने निजी एवं पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय ले रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उसे पर रोक लग गई है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका सहित सारे विश्व के देशों में होना तय है। अब देखते हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अमेरिका में इस मामले का पटाक्षेप किस रूप में दुनिया को देखने को मिलता है। भारत ने अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर जो समझौता किया है। वह भारत के लिए एक फंदा बन गया है। भारत इससे कैसे बाहर निकलेगा,इसका रास्ता भारत को ही निकलना होगा। भारत सरकार ट्रंप के सामने इतनी बेवस क्यों हैं? इसको लेकर भारत की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है।

बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार मणि शंकर मुखर्जी का निधन

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार मणि शंकर मुखर्जी (शंकर) का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बंगाल के प्रख्यात साहित्यकार मणि शंकर मुखर्जी (शंकर) के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उनके निधन से बंगाली साहित्य ने अपने एक प्रतिभाशाली सितारे को खो दिया है। उन्होंने कहा कि चौरंगी से लेकर काटो अजनारे तक, और सीमाबद्ध से लेकर जना आरण्य तक, उनकी कालजयी रचनाओं ने बंगाली पाठकों की कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके लेखन के माध्यम से आम लोगों के संघर्षों की अनकही कहानियों को सशक्त अभिव्यक्ति मिली। स्वामी विवेकानंद पर उनका गहन शोध और कार्य, विशेष रूप से, हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं। उनका निधन हमारी सांस्कृतिक दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं उनके शोक संतप्त परिवार और असंख्य प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।

बता दें कि उनका जन्म 7 दिसंबर 1933 को हुगली में हुआ था। उनका बचपन हावड़ा और बोंगाव में बीता। उनके पिता की कम उम्र में मौत हो गई थी, जिसके बाद उनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने अपने संघर्ष के दौरान कई तरह के काम भी किए। उनकी कई प्रसिद्ध रचनाएं हैं, जिनमें 'चौरांगी' एक है। यह स्वतंत्र कोलकाता के होटल जीवन और साहेबपाड़ा की मानवीय टकराहटों पर आधारित है। अंग्रेजी में इसका अनुवाद किया गया और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय रही। इसके अलावा 'कटे अजनारे' भी काफी लोकप्रिय रचना रही। मणिशंकर मुखर्जी बंगाल साहित्य के सबसे लोकप्रिय और वरिष्ठ लेखकों में से एक थे। उनको साहित्य अकादमी अवार्ड सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने स्वामी विवेकानंद पर किताबें लिखीं, उपन्यास लिखे, निबंध और रिसर्च कार्य भी किए। उनके निधन से बंगाल साहित्य जगत में शोक की लहर है।

अमृतसर में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, पुलिस चौकी को IED से उड़ाने की थी योजना; बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज

अमृतसर (आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां आतंकियों ने अमृतसर देहात के ब्यास थाने के अंतर्गत आने वाली रइया पुलिस चौकी को शुक्रवार देर रात आईईडी (IED) धमाके से उड़ाने की खौफनाक साजिश रची थी। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी और सतर्कता के चलते समय रहते इस आईईडी का पता चल गया, जिससे आतंकियों के नापाक मंसूबों पर पूरी तरह से पानी फिर गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

बम निरोधक दस्ते ने तड़के किया डिफ्यूज

पुलिस चौकी के पास विस्फोटक मिलने की भनक लगते ही महकमे में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शनिवार तड़के तुरंत बम निरोधक दस्ते (बम डिस्पोजल टीम) को मौके पर बुलाया गया। टीम ने बेहद सावधानीपूर्वक आईईडी को कब्जे में लेकर उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट (डिफ्यूज) कर दिया। इस बड़ी आतंकी घटना को टालने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

मेहसाणा में भीषण सड़क हादसा, डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, एक परिवार के 5 लोगों की मौत

महेसाणा(आरएनएस)। गुजरात के मेहसाणा जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक, एक परिवार राजस्थान में शादी में शामिल होने के बाद ईको कार से अहमदाबाद के रामोल वापस लौट रहा था। इस दौरान ऊंझा के उनावा के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा होते ही मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया। इस दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र, एक महिला और एक बच्चे सहित कुल 5 लोगों की जान चली गई है। जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। सड़क हादसे में रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाश कुमावत, एक बच्चा और एक वृद्ध महिला की मौत हुई है।

देश भर में धड़ल्ले से चल रहीं 32 फर्जी यूनिवर्सिटी, यूजीसी ने जारी की लिस्ट; दिल्ली ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्च शिक्षा हासिल कर सुनहरे भविष्य का सपना देखने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए एक बेहद जरूरी खबर है। अगर आप किसी भी नए संस्थान में दाखिला लेने की योजना बना रहे हैं, तो जरा सतर्क हो जाइए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश भर में शिक्षा के नाम पर दुकान चला रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों का भंडाफोड़ किया है। आयोग ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए साफ किया है कि इन अवैध संस्थानों से बांटी जा रही कोई भी डिग्री न तो किसी सरकारी या प्राइवेट नौकरी के लिए मान्य होगी और न ही इसके आधार पर आगे की पढ़ाई की जा सकेगी।

राजधानी दिल्ली में शिक्षा के नाम पर सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा

यूजीसी के ताजा आंकड़ों ने उच्च शिक्षा व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चिंताजनक बात यह है कि पिछले महज दो सालों के भीतर ही इन गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की संख्या 20 से उछलकर 32 तक पहुंच गई है। इस काली सूची में देश की राजधानी दिल्ली की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है, जहां अकेले 12 फर्जी यूनिवर्सिटी सक्रिय पाई गई हैं। इसके अलावा, इस बार हरियाणा, राजस्थान, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों के नाम भी इस सूची में जुड़ गए हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी शिक्षा के नाम पर यह गोरखधंधा बदस्तूर जारी है।

बेंगलुरु के संस्थान पर विशेष अलर्ट, लुभावने वादों से बिछाते हैं जाल

फर्जीवाड़ा करने वाले ये संस्थान छात्रों को अपने जाल में फंसाने के लिए बेहद शातिर हथकंडे अपनाते हैं। यूजीसी ने बेंगलुरु में संचालित हो रहे ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी को लेकर विशेष रूप से एक अलग

चेतावनी जारी की है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे संस्थान अक्सर कम फीस, बिना ज्यादा मेहनत के जल्दी डिग्री देने और आसान पढ़ाई का लालच देकर भोले-भाले छात्रों को बरगलाते हैं। कई बार ये संस्थान खुद को किसी बड़े विदेशी विश्वविद्यालय की शाखा बताकर भी गुमराह करते हैं, जबकि असलियत में इनके पास न तो पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक होते हैं और न ही कोई बुनियादी सुविधाएं।

दाखिला लेने से पहले यूजीसी की वेबसाइट पर जरूर करें जांच

छात्रों की मेहनत की कमाई और उनके करियर का कीमती समय बर्बाद होने से बचाने के लिए यूजीसी ने एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। आयोग का स्पष्ट रूप से कहना है कि थोड़ी सी जागरूकता ही इस तरह के बड़े फर्जीवाड़े से बचने का एकमात्र अचूक उपाय है। किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में एडमिशन का फॉर्म भरने या फीस जमा करने से पहले, छात्रों को यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उस संस्थान की मान्यता और क्रेडिबिलिटी की पूरी तरह से जांच-पड़ताल कर लेनी चाहिए। आपकी एक छोटी सी सतर्कता आपको जिंदगी भर के पछतावे से बचा सकती है।

रणवीर सिंह को धमकी देने वाला हेरी बॉक्सर ही निकला, पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

मुंबई,(ए)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी देने के मामले में मैनेजर को मिले वॉइस नॉट को वेरिफाई करने के लिए पंजाब और हरियाणा भेजा था। वॉइस नॉट भेजने वाले ने खुद को हेरी बॉक्सर बताया था और 20 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। इस वॉइस नॉट की पुष्टि हुई कि उस वॉइस नॉट में सुनाई दे रही आवाज हेरी बॉक्सर की ही है उसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई साइबर पुलिस ने रणवीर सिंह के मैनेजर विजय सुब्रमण्यम की शिकायत के आधार पर हेरी बॉक्सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल कर रही है। पुलिस के मुताबिक मैनेजर सुब्रमण्यम को उनके फोन पर एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल आया था, जो वर्जिन आइलैंड्स से जुड़ा देश का कोड माना जाता है। कॉल करने वाले ने 20 करोड़ की मांग की और धमकियां दीं। धमकियों के बाद रणवीर सिंह के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उन्हें शूटिंग के लिए कहीं भी ट्रेवल करते समय सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

योगी सरकार ने बिजली बिलों पर 10 फीसदी फ्यूल सरचार्ज लगाया

- चंद्रशेखर ने कहा- यह अतिरिक्त बोझ अनुचित और अन्यायपूर्ण है

लखनऊ,(ए.)। यूपी में बिजली के बिलों पर दस फीसदी फ्यूल सरचार्ज लगाए जाने पर सांसद चंद्रशेखर आजाद ने तीखा हमला बोला। उन्होंने अतिरिक्त चार्ज पर लगाए जाने पर नाराजगी जताई और कहा कि इसकी वजह से सामान्य लोगों के लिए बिजली का बिल भरना मुश्किल हो गया है।

चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- यूपी में बिजली बिलों पर 10फीसदी फ्यूल सरचार्ज और एफपीपीए चार्ज के नाम पर की जा रही अतिरिक्त वसूली अब गंभीर जनचिंता बन गई है। महंगाई के इस दौर में घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे व्यापारियों और उद्योगों पर अचानक डाला गया यह अतिरिक्त बोझ अनुचित और अन्यायपूर्ण है, जिन दरों पर बिजली खरीदी जा रही है, उससे कई गुना ज्यादा मूल्य पर बेची जा रही है। ऐसी आवश्यक सेवा में सीमित लागत वृद्धि का पूरा भार सीधे उपभोक्ताओं पर डालना अनुचित है। बिजली विभाग पहले से ही ऊँची दरें वसूल रहा है, इसलिए अतिरिक्त लागत का समायोजन प्रबंधन सुधार और कार्यकुशलता बढ़ाकर किया जाना चाहिए, न कि सीधे जनता पर बोझ डालकर।

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को रायपुर प्रेस क्लब द्वारा सुभाष स्टेडियम में आयोजित स्वर्गीय कुलदीप निगम स्मृति इंटर-प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पहुंचकर पत्रकार खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : पत्नी को मारा गया एक थप्पड़ 'क्रूरता' नहीं, रद्द की पति की 7 साल की सजा

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात हाईकोर्ट का एक हालिया फैसला इन दिनों देशभर में चर्चा और बहस का विषय बना हुआ है। अदालत ने अपने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि पति द्वारा पत्नी को मारा गया केवल एक थप्पड़ 'क्रूरता' की श्रेणी में नहीं आता है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी साफ किया कि क्रूरता का मामला साबित करने के लिए लगातार और असहनीय प्रताड़ना के ठोस सबूत होना बेहद जरूरी हैं। इस फैसले को लेकर आम जनता से लेकर कानूनी जानकारों तक की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

तीन दशक पुराना है पूरा मामला

यह पूरा मामला साल 1996 का है, जिस पर अब हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। अदालत में दिलीपभाई मंगलाभाई वरली नाम के व्यक्ति ने एक अपील दायर की थी, जिसमें उन्होंने सेशंस कोर्ट के साल 2003 के फैसले को चुनौती दी थी। उस समय निचली अदालत ने दिलीपभाई को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत सात साल की कड़ी सजा सुनाई

थी। अब हाईकोर्ट ने इस सजा को पूरी तरह से रद्द कर दिया है।

आय बढ़ाने के लिए बैंजो बजाता था पति

महिला पक्ष की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि युवक हर रोज अपनी पत्नी को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करता था, जिससे तंग आकर उसने मौत को गले लगा लिया। हालांकि, सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि पति अपनी आय बढ़ाने के लिए रात के समय बैंजो बजाने जाता था, जो पत्नी को बिल्कुल पसंद नहीं था। यही बात उन दोनों के बीच होने वाले आम झगड़ों की मुख्य वजह थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस गीता गोपी ने अपने आदेश में कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने और क्रूरता को साबित करने के लिए सिर्फ आरोप काफी नहीं हैं, बल्कि लगातार होने वाली असहनीय मारपीट के पक्के सबूत होना अनिवार्य है।

बिना बताए मायके जाने पर मारा था थप्पड़

इस पूरे मामले में एक थप्पड़ की घटना सबसे अहम रही। अपीलकर्ता की तरफ से अदालत को बताया गया कि एक बार उसकी पत्नी बिना किसी को बताए अपने मायके चली गई थी। इस अचानक उठाए गए कदम से पति और परिवार के अन्य लोग काफी परेशान हो गए थे। इसी नाराजगी और तनाव के चलते पति ने पत्नी को एक थप्पड़ मार दिया था। अदालत ने इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट किया कि गुस्से में उठाए गए इस एक कदम को क्रूरता का मामला नहीं माना जा सकता और इसके आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का दोष सिद्ध नहीं होता।

एआई समिट हंगामा : दिल्ली पुलिस ने यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को किया कोर्ट में पेश, मांगी 5 दिन की कस्टडी

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को %इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट% में प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के 4 कार्यकर्ताओं को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने अदालत से आरोपियों की 5 दिन की रिमांड मांगी। हालांकि, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से अदालत में जमानत याचिका भी दाखिल की गई है। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। नेपाल के %जेन-जी% की तर्ज पर देश को बांटने वाले नारे लगाए। उन्होंने प्रदर्शन की ऐसी जगह चुनी, जहां दूसरे देशों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने धक्कामुक्की की और इस दौरान कुछ पुलिसवालों को चोट लगी। इसके साथ ही, दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की 5 दिनों की कस्टडी मांगी। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि अगर आरोपी पढ़े-लिखे हैं तो उन्हें जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। अदालत ने पुलिस से पांच दिन की रिमांड का कारण पूछा। पुलिस की ओर से कहा गया, मामले में जांच करनी है कि साजिश किसने रची और कौन-कौन लोग शामिल हैं। टी-शर्ट कहां छापी गईं।

आरोपियों के वकील ने पुलिस रिमांड की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ये गिरफ्तारी लोकतंत्र की गरिमा को कम करने वाली है। अगर प्रदर्शन के चलते गिरफ्तारी होने लगी तो संसद में प्रदर्शन करने वाले सांसदों की भी गिरफ्तारी हो जाएगी।

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा, आरोपी एक राजनैतिक दल से जुड़े हैं, जो विपक्ष में है। उन्होंने %भारत मंडपम% में शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। कहीं कोई सबूत नहीं है कि इन्होंने किसी को चोट पहुंचाई। प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में पुलिस रिमांड की कोई जरूरत नहीं है।

राजस्थान में जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े सभी नौ आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

फरार चल रहे चार आरोपियों के खिलाफ लुक आउट नोटिस

जयपुर (ए.)। राजस्थान में जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले से जुड़े मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को गिरफ्तार सभी नौ आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया। इसके पहले शुक्रवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान (एसीबी) ने आरोपियों से करीब चार घंटे तक आमने-सामने बैठाकर गहन पूछताछ की। इस दौरान कुछ आरोपियों से अलग-अलग भी सवाल-जवाब किए गए, ताकि तथ्यों की पुष्टि की जा सके और बयानों में विरोधाभास की जांच हो सके। जांच एजेंसी एसीबी ने 17 फरवरी को जलप्रदाय विभाग के नौ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था और 18 फरवरी को उन्हें कोर्ट में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा था। हालांकि, अदालत ने तीन दिन का ही रिमांड मंजूर किया। रिमांड अवधि पूरी होने पर शनिवार को सभी आरोपियों को दुबारा कोर्ट में प्रस्तुत किया गया।कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों में चीफ इंजीनियर (जयपुर शहर) केडी गुप्ता, तत्कालीन मुख्य अभियंता (पीएचईडी परियोजना) जयपुर दिनेश गोयल, रिटायर्ड तकनीकी चीफ इंजीनियर डीके गौड, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार, तत्कालीन वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता शुभांशु दीक्षित, रिटायर्ड अतिरिक्त मुख्य अभियंता अरुण श्रीवास्तव, रिटायर्ड अधीक्षण अभियंता महेन्द्र प्रकाश सोनी और तत्कालीन अधिशाषी अभियंता विशाल सक्सेना शामिल हैं।वहीं, फरार चल रहे चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसीबी की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। इसमें रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता जितेन्द्र शर्मा और तत्कालीन एससी मुकेश गोयल प्रमुख हैं। विदेश भागने की आशंका के चलते इन सभी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एसीबी की जांच में फर्जी बिल, वित्तीय गड़बड़ियां और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के साक्ष्य मिलने की बात सामने आई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लॉन्च किया 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल', अब एक ही ऐप पर दर्ज होंगी दिल्ली के सभी विभागों की शिकायतें

सरकारी दफ्तरों के चक्करों से मुक्ति, दिल्ली में 75 सरकारी सेवाएं अब सिर्फ 30 रुपये में, 7000 केंद्रों पर मिलेगी सुविधा पारदर्शी सुशासन की ओर कदम, सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू किया ई-डिस्ट्रिक्ट और सुरक्षित ईडब्ल्यूएस एडमिशन पोर्टल

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में कई अहम आईटी परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप, कॉमन सर्विस सेंटर डिजिटल सेवा पोर्टल के माध्यम से ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं और ईडब्ल्यूएस/डीजी/सीडब्ल्यूएसएन एडमिशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'डिजिटल इंडिया' विजन से प्रेरणा लेते हुए दिल्लीवासियों की सुविधा के लिए इन पहलों की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और भ्रष्टाचार मुक्त बनाकर दिल्ली के नागरिकों को सशक्त बनाना है।इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। इन परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तकनीक के माध्यम से सरकार और जनता के बीच की दूरी को समाप्त कर रहे हैं। आज लॉन्च किए गए पोर्टल और ऐप्स केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, बल्कि 'सुशासन' और 'सबका साथ, सबका विकास' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल व ऐप' की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह पोर्टल एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करेगा। इसी एक मंच पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार के सभी विभागों से जुड़ी शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। इसकी कार्यप्रणाली को बेहद सरल रखा गया है ताकि आम नागरिक बिना किसी तकनीकी परेशानी के अपनी बात कह सके। सिस्टम के भीतर शिकायतों, क्षेत्रों और विभागीय अधिकारियों की मैपिंग पहले से ही कर दी गई है।

पोर्टल की प्रमुख विशेषताएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने पाया कि नागरिकों के पास अपनी समस्याएं दर्ज करने के लिए तो मंच थे, लेकिन उनके समाधान की प्रभावी निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। शिकायतें एक विभाग से दूसरे विभाग में ट्रांसफर होती रहती थीं और आवेदक को यह पता ही नहीं चलता था कि समाधान कब और किस स्तर पर होगा। इसी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप शुरू किया गया है। इसकी विशेषता बताते हुए कहा कि शिकायत दर्ज करने के लिए नागरिकों को चार माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं, ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल ऐप, कॉल सेंटर (1902) और मुख्यमंत्री कार्यालय के माध्यम से ऑफलाइन व्यवस्था। शिकायतों के निवारण के लिए तीन स्तरीय प्रणाली लागू की गई है, जिसमें जन शिकायत समाधान अधिकारी (जेएसएसए), अपीलीय प्राधिकार (एए) और अंतिम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शिकायत के लिए एक यूनिक रेफरेंस आईडी जारी की जाएगी और प्रक्रिया के हर चरण पर एसएमएस के माध्यम से अपडेट दिया जाएगा। नागरिकों को रिमाइंडर भेजने और पूर्व में की गई शिकायतों को नई शिकायत से लिंक करने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अगर समाधान से संबंधित फीडबैक नकारात्मक मिलता है तो मामला खुद ही उच्च स्तर पर एस्केलेट हो जाएगा।

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर दी अपनी प्रतिक्रिया

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर रिएक्ट किया। मानसा वाराणसी ने हाल ही में संतोष सोभन की फिल्म कपल फ्रेंडली में अपनी परफॉर्मेंस से सभी को इम्प्रेस किया।फिल्म में इंटिमेट और किसिंग सीन थे। जब उनके बारे में पूछा गया, तो मानसा वाराणसी ने इस तरह रिएक्ट किया। मानसा से पूछा गया, इस मूवी में किसिंग सीन हैं, है ना? आप किस को कैसे डिफाइन करेंगी? पहले तो वह सवालों की लाइन सुनकर कन्फ्यूज्ड लग रही थीं। फिर होश संभालते हुए उन्होंने ताने वाले लहजे में जवाब दिया, इसे छोटा और सिंपल रखें, जिसे छोटा करके 'किस' भी कहा जा सकता है। इस जवाब से उनके को-स्टार संतोष सोभन हंस पड़े और वह ताली बजाने लगे, जबकि मानसा मुस्कुराते हुए रिपोर्टर को घूरती रहीं।फैंस ने इस तरह रिएक्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए एक इंस्टाग्राम यूज़र ने लिखा, एक अजीब सवाल को छक्क म बदलना। दूसरे ने कमेंट किया, इसीलिए वह मिस इंडिया है, एक पेजेंट्री टाइटल होल्डर, वे इस तरह के सवालों का जवाब देने के लिए अच्छी तरह से ट्रेंड और मजाकिया हैं। एक ने तो यह भी लिखा, हाहाहा। अब इसे रोस्टिंग कहते हैं! एक एक्स (पहले ट्विटर) यूज़र ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मानसा वाराणसी >>> एसएसआर वाराणसी ।

टॉक्सिक का टीजर रिलीज, राया रूप में छाए यश, दिखाया अपना सबसे खौफनाक और क्रूर अवतार

गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स ने अपने इंट्रो वीडियो से ही दर्शकों को दीवाना कर दिया था. लेकिन अब इसके टीजर ने लोगों का एक्साइटमेंट लेवल हाई कर दिया है. जी हां, मेकर्स ने टॉक्सिक का टीजर रिलीज किया. टीजर में यश के किरदार ने सभी का दिल जीत लिया है.मेकर्स ने 5 भाषाओं के साथ टॉक्सिक का टीजर जारी किया. इसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह पागल कर देगा. इसे दर्शकों से मिले-जुले रिस्पॉन्स मिले हैं. जहां कुछ को यह पसंद आया है, वहीं कुछ निराश हैं.टीजर की शुरुआत यश के राया से होती है, जिसे बताया जाता

है कि इस बार का जंग अलग है और उनकी मक्कारी भी अलग है. इस बीच इसमें कई लड़ाइयों और हाथापाई का मोंटाज भी आता है. फिर हीरो के हाथ-पैर काटते, सिर फोड़ते और गुंडो को पीट-पीटकर अधमरा करते हुए शॉट्स दिखाए जाते हैं.टीजर में फिल्म के विलेन की भी झलक दिखाई गई है. ऐसा लग रहा है कि फिल्म में यश हीरो के साथ-साथ विलेन का भी किरदार निभा रहे हैं. टीजर के आखिरी में यश को क्लिन शेव में देखा गया है, जो आखिर में राया को चुनौती देने आता है, मैं घर आ गया हूं, डैडी. टीजर को यश के फैंस से शुरुआती तौर पर काफी पॉजिटिव रिएक्शन मिले.एक ने यश के लुक पर कमेंट करते हुए लिखा है, यश का बिना दाढ़ी के होना अनएक्सपेक्टेड था. एक ने लिखा है, फर्स्ट डे, फर्स्ट शो. एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, यह टीजर नहीं, वॉर्निंग नोटिस है.गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश के साथ रुक्मिणी वसंत, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर भी अहम रोल में हैं. यश और गीतू ने मिलकर इस फिल्म को लिखा है.कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म 19 मार्च को थिएटर में रिलीज़ होगी. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक, धुरंधर 2 से क्लैश होगी. यह इस साल की बॉक्स ऑफिस पर हुए सबसे हाई-प्रोफाइल पैन-इंडिया क्लैश में से एक होने वाली है.

सामने आई नानी की 'द पैराडाइज' की नई रिलीज डेट, मेकर्स ने जारी किया दमदार पोस्टर

अभिनेता नानी की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। इसके एलान के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। 'दसरा' जैसी ब्लॉकबस्टर देने के बाद नानी और ओडेला की यह जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है।

द पैराडाइज के मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा किया है। साथ ही एक दमदार और इंटेंस नया पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर में दो लंबी गुथी हुई चोटियां नजर आ रही हैं, जिनके सिरों से खून टपक रहा है। इसका बैकग्राउंड डार्क और रहस्यमय है। यह विजुअल इशारा देता है कि फिल्म की कहानी काफी इंटेंस होगी और दर्शकों को एक्शन थ्रिलर का अनुभव मिलेगा। पोस्टर पर लिखा है 21 अगस्त 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने ऐलान किया, मेरे प्यारे पैराडाइज वासियों।

मीनाक्षी चौधरी को अक्षय कुमार की फिल्म में काम करने का ऑफर मिला

मीनाक्षी चौधरी, जो खिलाड़ी, एचआईटी 2, लकी भास्कर और संक्रांतिकी वस्तुनम जैसी तेलुगु फिल्मों में अपने रोल के लिए जानी जाती हैं, अक्षय कुमार स्टारर भागम भाग 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। राज शांडिल्य के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म ओरिजिनल फिल्म के अफरा-तफरी वाले कॉमेडी स्टाइल को बनाए रखने का वादा करती है, साथ ही एक नई कहानी भी पेश करेगी।मीनाक्षी ने 2021 में इचता वहानामुलु निलुपराडु से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री की और तब से कई सफल तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उनका बॉलीवुड डेब्यू उनके करियर में एक अहम पड़ाव है, और फैंस उन्हें अक्षय कुमार के साथ देखने के लिए बेताब हैं।फिल्म में मनोज बाजपेयी और आयशा खान जैसे शानदार कलाकार हैं, जो एक अहम रोल में हैं, हालांकि अभी इसकी डिटेल्स नहीं बताई गई हैं। भागम भाग 2 के 2026 के आखिर तक रिलीज़ होने की उम्मीद है, और इसकी शूटिंग फरवरी 2026 में शुरू होगी। मीनाक्षी चौधरी का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना उनके लिए एक बड़ा मौका है, और अगर फिल्म सफल होती है, तो उन्हें टॉप डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से और भी ऑफर मिल सकते हैं।

'ओ रोमियो' ने छह दिन में किया 43.85 करोड़ का कलेक्शन

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर रोमांटिक थ्रिलर ओ रोमियो ने बॉक्स ऑफिस पर शुरूआती वीकेंड में तेज रफ्तार पकड़ी थी। वीकएंड आते-आते फिल्म की कमाई में गिरावट देखी जा रही है। इस फिल्म ने अपने छठे दिन यानी बुधवार को 3.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले पांच दिनों के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत फिल्म का कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 43.85 करोड़ रुपये पहुंच गया है। 13 फरवरी को रिलीज हुई 'ओ रोमियो' की टक्कर उसी दिन रिलीज हुई तू या मैं से रही, जिसमें आदर्श गौरव और शनाया कपूर नजर आए। बावजूद इसके यह फिल्म शुरुआती दिनों में अच्छी पकड़ बनाए रखने में सफल रही।

बॉक्स ऑफिस के मुताबिक, 'ओ रोमियो' ने पहले दिन 8.5 करोड़, दूसरे दिन 12.5 करोड़ और तीसरे दिन 9 करोड़ रुपये कमाए थे। सोमवार को कलेक्शन 4.85 करोड़ तक आ गया, जबकि मंगलवार को इसमें हल्की बढ़ोतरी के साथ 5.35 करोड़ का बिजनेस हुआ। छठे दिन यानी बुधवार को यह कमाई घटकर 3.5 करोड़ पर पहुंच गई। फिल्म की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन वीकडेज में गिरावट ने इसकी रफ्तार धीमी कर दी है। अब निगाहें इस पर हैं कि क्या फिल्म दूसरे वीकेंड में अपनी स्पीड वापस पकड़ पाएगी। कहानी की बात करें तो 'ओ रोमियो' माफिया क्वीन्स आफ मुंबई के एक अध्याय से प्रेरित है। फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें शाहिद कपूर उस्तरा नाम के गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ त्रप्ति डिमरी अफशां के किरदार में नजर आई हैं। इसके अलावा नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, दिशा पटानी और तमन्ना भाटिया जैसे कई कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। शाहिद कपूर और निर्देशक विशाल भारद्वाज की यह चौथी फिल्म है।

इससे पहले दोनों 'कमीने', 'हैदर' और 'रंगून' में साथ काम कर चुके हैं। बजट की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'ओ रोमियो' का निर्माण 125 से 150 करोड़ रुपये के बजट में हुआ है। ऐसे में हिट होने के लिए फिल्म को कम से कम 125 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना होगा। फिल्म का प्रदर्शन अभी तक ठीक रहा है, लेकिन इसके आगे का सफर काफी हद तक दूसरे वीकेंड की कमाई पर निर्भर करेगा। थिएटर रन के बाद फिल्म के अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह मार्च से अप्रैल 2026 के बीच ओटीटी पर रिलीज की जा सकती है।

श्री विष्णु की फ़िल्म विष्णु विन्यासम 28 फरवरी को होगी रिलीज़

श्री विष्णु, जो अपने अनोखे ह्यूमर और नई कहानी कहने के तरीकों के लिए जाने जाते हैं, एक और मज़ेदार एंटरटेनर फ़िल्म विष्णु विन्यासम लेकर आ रहे हैं, जिसे डेब्यू कर रहे यदुनाथ मारुति राव डायरेक्ट कर रहे हैं। फ़िल्म में नयना सारिका फ़ीमेल लीड रोल में हैं, और श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज़ के बैनर तले सुमंत नायडू जी उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं।

अनाउंसमेंट पोस्टर में श्री विष्णु एक क्लासिक बाइक पर आराम से आराम करते हुए दिख रहे हैं, उन्होंने फंकी प्रिंटेड शॉर्ट्स, एक रंगीन शर्ट, शेड्स और एक बेफ़िक्र वाइब पहनी हुई है। विष्णु विन्यासम एक मज़ेदार और रंगीन सिनेमैटिक राइड का वादा करती है, जिसमें श्री विष्णु एक ऐसे नौजवान का रोल कर रहे हैं जो अंधविश्वास, राशिफल और अजीब मान्यताओं से बंधा हुआ है।झप्रमोशन पहले से ही ज़ोरों पर हैं, जिसमें टाइटल की झलक, एक मज़ेदार इंट्रोडक्टरी ट्रैक और एक सुकून देने वाला वैलेंटाइन्स डे रोमांटिक सिंगल है, जिसने दर्शकों को तुरंत पसंद आ गया। फिल्म में सपोर्टिंग एक्टर्स की एक टैलेंटेड टीम है, जिसमें सत्या, ब्रह्माजी, प्रवीण, मुरली शर्मा, श्रीकांत अय्यंगर, सत्यम राजेश, श्रीनिवास वडलामनी और गोपाराजू रमना शामिल हैं।

क्रीमी अल्फ्रेडो पास्ता बनाने के लिए अपनाएं ये तरीका, बनेगा स्वादिष्ट

अल्फ्रेडो पास्ता एक ऐसा व्यंजन है, जो न केवल बच्चों बल्कि बड़ों को भी बहुत पसंद आता है। इसकी मलाईदार और स्वादिष्ट ग्रेवी इसे खास बनाती है। अगर आप भी इस स्वादिष्ट व्यंजन को घर पर बनाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपको घर पर आसानी से क्रीमी अल्फ्रेडो पास्ता बनाने के तरीके बताएंगे, जिससे आप अपने परिवार और दोस्तों को खुश कर सकते हैं।

पास्ता उबालने का तरीका जानें

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में पानी उबालें और उसमें थोड़ा नमक डालें। इससे आपका पास्ता ज्यादा स्वादिष्ट बनेगा। जब पानी उबल जाए तो उसमें आवश्यकतानुसार पास्ता डालें और उसे हल्का कच्चा छोड़ते हुए पकाएं। आमतौर पर 8-10 मिनट में यह तैयार हो जाता है। पास्ता पकने के बाद उसे छानकर ठंडे पानी से धो लें ताकि उसकी गर्मी चली जाए और वह चिपके नहीं।

क्रीम और चीज़ का मिश्रण तैयार करें

अल्फेडो सॉस के लिए सबसे पहले एक पैन में थोड़ा मक्खन गर्म करें, फिर उसमें बारीक कटी हुई लहसुन की कलियां डालें और हल्के सुनहरे रंग का होने तक भूनें। अब इसमें क्रीम डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर पकने दें ताकि मिश्रण गाढ़ा हो जाए। इसके बाद इसमें कदूकस किया हुआ पार्मेसन चीज़ डालें और लगातार चलाते रहें ताकि मिश्रण जल न जाए। जब सॉस गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें।

सब्जियों को भूनें

आप चाहें तो अपने अल्फेडो पास्ता में सब्जियां भी मिला सकते हैं, जो इसे और भी पौष्टिक बना देंगी। इसके लिए शिमला मिर्च, स्वीटकॉर्न, मशरूम जैसी सब्जियों का उपयोग करें। एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें कटी हुई सब्जियों को डालकर हल्का नरम होने तक भूनें। आप अपनी पसंदीदा सब्जियों का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और बढ़ जाएगा। सब्जियों को ज्यादा नहीं पकाना है, बस थोड़ा नरम कर लें।

पास्ता और सॉस को मिलाएं

अब उबले हुए पास्ता को तैयार की गई अल्फेडो सॉस में डालें और अच्छी तरह मिलाएं ताकि सारे पास्ता पर सॉस लग जाए। इस मिश्रण को धीमी आंच पर कुछ मिनट पकाएं ताकि सारे स्वाद अच्छे से मिल जाएं। अगर आपको ज्यादा मलाईदार स्वाद पसंद है तो आप इसमें थोड़ी और क्रीम भी मिला सकते हैं। इस तरह आपका स्वादिष्ट क्रीमी अल्फेडो पास्ता तैयार हो जाएगा, जिसे आप गर्मागर्म परोसें और इसका आनंद लें।

सजावट और परोसने का तरीका जानें

अल्फेडो पास्ता को परोसने के लिए सबसे पहले एक प्लेट में तैयार पास्ता डालें और ऊपर से कद्दूकस किया हुआ पार्मेसन चीज़ छिड़कें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा कटा हुआ हरा धनिया या सूखे तुलसी के पत्ते भी डाल सकते हैं, जिससे इसका लुक और भी अच्छा लगेगा। इसे गर्मागर्म परोसें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें। इस आसान विधि से आप हर किसी को खुश कर सकते हैं।

सेहतमंद जीवनशैली के लिए ऐसे करें स्मार्ट किराना खरीदारी

किराना खरीदारी एक रोजमर्रा की जरूरत है, जिसे सही तरीके से करना बहुत जरूरी है। सही तरीके से की गई किराना खरीदारी न केवल आपके बजट को संतुलित रखती है, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे स्मार्ट तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी किराना खरीदारी को और भी बेहतर बना सकते हैं। इन तरीकों से आप समय, पैसा और ऊर्जा की बचत कर सकते हैं।

पहले से योजना बनाएं

किराना खरीदारी करने से पहले एक सूची बनाना बहुत जरूरी है। इससे आपको पता रहेगा कि क्या-क्या खरीदना है और बेवजह की चीजें खरीदने से बचेंगे। इसके अलावा योजना बनाने से आपका समय और पैसा दोनों बचेंगे। आप महीने की शुरुआत में ही अपनी जरूरत का सामान तय कर सकते हैं ताकि आखिरी समय पर भागदौड़ न करनी पड़े। इस तरह आप अपनी खरीदारी को व्यवस्थित रख सकते हैं।

ऑनलाइन खरीदारी का करें उपयोग

आजकल कई बड़े स्टोर ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा देते हैं। इससे आप घर बैठे ही अपने जरूरत का सामान देख सकते हैं और कीमतों की तुलना कर सकते हैं। ऑनलाइन खरीदारी से आपको छूट और ऑफर्स का भी फायदा मिल सकता है। इसके अलावा इससे आपका समय भी बचेगा और आप ज्यादा संगठित तरीके से खरीदारी कर पाएंगे। यह तरीका न केवल सुविधाजनक है बल्कि आपको बेहतर निर्णय लेने का मौका भी देता है।

स्थानीय बाजार पर दें ध्यान

स्थानीय बाजार में ताजे फल-सब्जियां मिलती हैं जो आपकी सेहत के लिए बेहतर होते हैं। इसके अलावा स्थानीय उत्पाद खरीदने से आपको पैसों की बचत भी होती है क्योंकि उन्हें दूर-दूर से लाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्थानीय बाजार से खरीदारी करने पर आपको मौसमी सब्जियों और फलों के बारे में भी जानकारी मिलती है और आप अपने भोजन को प्राकृतिक रूप से संतुलित बना सकते हैं। इससे आपकी सेहत भी बेहतर रहेगी।

नकद या कार्ड का सही उपयोग करें

किराना खरीदारी करते समय भुगतान का तरीका भी अहम होता है। नकद का उपयोग करने से आप अपने खर्चों पर बेहतर नियंत्रण रख सकते हैं क्योंकि इसमें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता, वहीं कार्ड से भुगतान करने पर अंक मिल सकते हैं, जो भविष्य में फायदेमंद हो सकते हैं। हालांकि, दोनों तरीकों का संतुलित उपयोग करना जरूरी है ताकि आपका बजट भी संतुलित रहे और बेवजह के खर्चों से बचा जा सके।

समय का सही प्रबंधन करें

किराना खरीदारी करते समय समय प्रबंधन बहुत जरूरी होता है। सुबह-सुबह या देर शाम समय निकालकर खरीदारी करना बेहतर होता है जब भीड़ कम होती है और आप आराम से अपनी जरूरत का सामान देख सकते हैं। इससे आपका समय भी बचेगा और आप जल्दी-जल्दी में कोई गलती भी नहीं करेंगे। इस तरह आप अपनी खरीदारी को अधिक प्रभावी बना सकते हैं और अपने कामों में भी संतुलन बना सकते हैं।

'गार्ड' की तरह सैल्यूट, ग्रुप फोटो में किनारा.. ट्रंप की बोर्ड ऑफ पीस बैठक में पाक पीएम की भारी फजीहत

वाशिंगटन (ए.)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हालिया अमेरिका यात्रा कूटनीतिक सफलता के बजाय उनके लिए सार्वजनिक शर्मिंदगी का कारण बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में आयोजित 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में शरीफ के हाव-भाव और वहां घटी घटनाओं ने सोशल मीडिया पर मीम्स और तीखी आलोचनाओं का तूफान ला दिया है। इस दौरे का सबसे चर्चित और विवादित पल वह रहा, जब एक वायरल वीडियो में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ राष्ट्रपति ट्रंप को किसी सुरक्षा गार्ड की तरह अजीबोगरीब अंदाज में सैल्यूट करते हुए नजर आए। इस वाकये के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की जमकर जग हंसाई हो रही है।

कूटनीतिक मर्यादा तार-तार, ग्रुप फोटो में भी किया गया किनारे

इस वीडियो के सामने आते ही इंटरनेट पर लोगों ने इसे पाकिस्तान की संप्रभुता और कूटनीतिक मर्यादा के बिल्कुल विपरीत करार दिया। आलोचकों का स्पष्ट रूप से मानना है कि एक संप्रभु देश के प्रधानमंत्री का किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के सामने इस तरह झुकना दोनों देशों के बीच बेहद असंतुलित और कमजोर संबंधों को उजागर करता है। बात सिर्फ अजीबोगरीब व्यवहार तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि बैठक की आधिकारिक तस्वीरों ने भी वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की वास्तविक हैसियत की पोल खोल दी। दुनिया भर के नेताओं के साथ लिए गए ग्रुप फोटो में जहां डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रमुख सहयोगियों के साथ बीच में खड़े थे, वहीं शहबाज शरीफ को बिल्कुल किनारे पर खड़ा किया गया था। कूटनीतिक विशेषज्ञ इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस्लामाबाद के पूरी तरह से हाशिए पर चले जाने का प्रतीक मान रहे हैं।

कतर और बहरीन के मिलिट्री बेस खाली कर रही अमेरिकी सेना? सैकड़ों सैनिकों को निकाला

वॉशिंगटन,(ए.)। ईरान और अमेरिका के बीच गहराते तनाव के बीच मध्य पूर्व के सामरिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में संभावित सैन्य कार्रवाई की आहट अब जमीन पर भी दिखाई देने लगी है। कतर के अल उदैद एयर बेस और बहरीन में स्थित महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य ठिकानों से सैकड़ों सैनिकों को बाहर निकाला गया है। बहरीन, जो अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े (फिफ्थ फ्लीट) का मुख्य केंद्र है, वहां से सैनिकों की यह आवाजाही पेंटागन द्वारा एहतियाती कदम बताई जा रही है। हाल ही में सीरिया से भी अमेरिकी सैन्य टुकड़ियों की वापसी की खबरें आई थीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका ईरान के विरुद्ध किसी भी संभावित टकराव से पहले अपने संसाधनों को सुरक्षित और पुनर्गठित कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस स्थिति पर कड़ा रुख अपनाते हुए संकेत दिया है कि वे ईरान पर सीमित सैन्य हमले के विकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे हैं।

पाकिस्तान में 3.9 की तीव्रता का भूकंप, जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान में शनिवार की सुबह रिक्टर पैमाने पर 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। यह जानकारी भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने दी है। एनसीएस के मुताबिक भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। 3.9 तीव्रता का भूकंप आमतौर पर हल्के झटकों की श्रेणी में आता है। ऐसी तीव्रता के भूकंप से सामान्यतः बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना कम रहती है, हालांकि स्थानीय स्तर पर लोगों को झटके महसूस होते हैं। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान भूकंप के नजरिए से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, जहां समय-समय पर हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 10 किमी की गहराई पर आए भूकंप के झटके सतह पर ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस हो सकते हैं, लेकिन तीव्रता कम होने के कारण बड़े नुकसान की आशंका कम रहती है। पाकिस्तान को दुनिया के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में गिना जाता है। इसकी मुख्य वजह इसका भौगोलिक क्षेत्र है। यह उस क्षेत्र में स्थित है जहां इंडियन टेक्टोनिक प्लेट और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट आपस में टकराती हैं। इन प्लेटों की लगातार गति और दबाव के कारण इस इलाके में भूकंपीय गतिविधियां बार-बार होती रहती हैं।

जिनपिंग के इलाके में अमेरिकी लड़ाकू विमानों की दहाड़, बौखलाए ड्रैगन ने भी उतारे अपने फाइटर जेट्स

सियोल(ए.)। कोरियाई प्रायद्वीप के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर इस सप्ताह अमेरिका और चीन के लड़ाकू विमानों का आमना-सामना होने से तनाव की स्थिति बन गई है। दोनों वैश्विक महाशक्तियों के बीच इस क्षेत्र में इस तरह का हवाई टकराव बेहद दुर्लभ माना जाता है। योनहाप न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को लगभग 10 अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने प्योंगटेक

एयरबेस से उड़ान भरकर दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट से दूर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सैन्य अभ्यास किया। हालांकि इन अमेरिकी विमानों ने चीन के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (ADIZ) में प्रवेश नहीं किया था, लेकिन जैसे ही वे इस क्षेत्र के करीब पहुंचे, बीजिंग ने तुरंत सतर्क होते हुए जवाब में अपने लड़ाकू विमान उनके पीछे लगा दिए।वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) किसी भी देश के संप्रभु और मुख्य हवाई क्षेत्र से अलग होता है। यह वह बाहरी सुरक्षा घेरा होता है जहां किसी भी देश की सीमा के करीब आने वाले विदेशी या अज्ञात विमानों से अपनी पहचान स्पष्ट करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि देश की सुरक्षा को किसी भी संभावित खतरे से बचाया जा सके। इस पूरी घटना पर चीन के सरकार समर्थित अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया है कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने कानूनों और नियमों के अनुसार काम किया है। चीनी सेना ने पूरी प्रक्रिया के दौरान गतिविधियों की निगरानी करने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए अपनी नौसेना और वायु सेना को तैनात किया था।

अमेरिका के टॉयमेकर ने टैरिफ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप को दी मात!

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक आपातकालीन टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा जिस नाम की चर्चा है वह है, रिक वोल्डनबर्ग, जो ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे। बता दें टैरिफ की मार और सप्लाई चेन की अनिश्चितता के बीच, लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ रिक वोल्डनबर्ग ने इस कानूनी लड़ाई का नेतृत्व किया है। रिक वोल्डनबर्ग ने ट्रंप प्रशासन के आईईईपीए कानून के इस्तेमाल को चुनौती देते हुए, तर्क दिया कि ये नीतियां बड़ी कंपनियों के लिए नहीं बल्कि उन मध्यम वर्गीय उद्योगों के लिए काल हैं जो पीढ़ियों से चल रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप की टैरिफ को चुनौती देने वाले रिक वोल्डनबर्ग शिकागो में एक पारिवारिक टॉय कंपनी चलाते हैं। ट्रंप प्रशासन के लिबरेशन डे टैरिफ की घोषणा के कुछ ही दिनों के अंदर उन्होंने वकीलों से संपर्क कर ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

नेपाल में दो दलों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

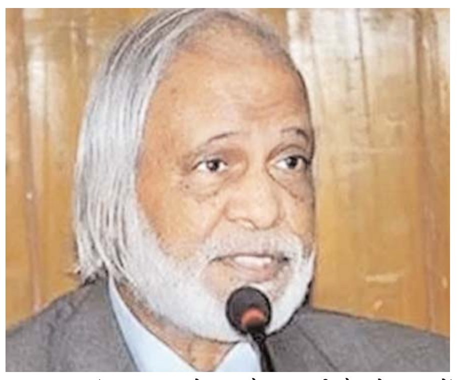

काठमांडू, (ए.)। नेपाल के सुनसरी के भोक्राहा में नेपाली कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प को शांत करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा।पुलिस के मुताबिक सुनसरी निर्वाचन क्षेत्र संख्या 4 के अंतर्गत आने वाले भोक्राहा में नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार तथा पूर्व मंत्री ज्ञानेन्द्र कार्की चुनावी सभा को संबोधित करने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में आरएसपी के कुछ कार्यकर्ताओं से आमना-सामना होने पर विवाद बढ़ गया और स्थिति झड़प में बदल गई। दोनों पक्ष के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान दोनों पक्षों के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता घायल हो गए।सुनसरी के पुलिस उपाधीक्षक केशव थेवे ने मीडिया कर्मियों को बताया कि नेपाली कांग्रेस के भातृ संगठन तरुण दल के कार्यकर्ताओं और आरएसपी के कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। आरएसपी के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। प्रशासन ने दोनों ही दलों के नेताओं को चेतावनी देकर कहा है कि एक ही समय में बिना प्रशासन की जानकारी के कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम न करें।नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार कार्की के मुताबिक भोक्राहा में आयोजित चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसपी कार्यकर्ताओं द्वारा गाली-गलौज किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस घटना के बाद वहां पुलिस बल की तैनाती की गई है।

भारतीय मूल के धुरंधर ने निकाली ट्रंप की हेकड़ी, नील कत्याल के तर्कों से पलट गया फैसला

वाशिंगटन(ए.)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) को असंवैधानिक करार देकर रद्द कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि राष्ट्रपति ने कांग्रेस की अनिवार्य मंजूरी के बिना इतने बड़े पैमाने पर कर लगाकर अपनी संवैधानिक और कानूनी सीमाओं का उल्लंघन किया है। इस कानूनी लड़ाई के केंद्र में भारतीय मूल के अमेरिकी वकील नील कत्याल रहे, जिन्होंने राष्ट्रपति की शक्तियों को सीधी चुनौती दी। पूर्व कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल नील कत्याल ने अदालत में तर्क दिया कि ट्रंप ने 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का दुरुपयोग करते हुए लगभग हर व्यापारिक साझेदार देश से आने वाले सामान पर अनुचित और अवैध टैक्स थोप दिया था। फैसले के बाद कत्याल ने इसे संविधान की जीत बताते हुए कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति शक्तिशाली हो सकते हैं, लेकिन संविधान सर्वोपरि है और कर लगाने का अधिकार केवल जनता द्वारा चुनी गई कांग्रेस के पास है। कत्याल के साथ इस महत्वपूर्ण मामले में एक और भारतीय-अमेरिकी कानूनी विशेषज्ञ प्रतीक शाह भी शामिल थे, जो एकिन गंप में सुप्रीम कोर्ट मामलों के प्रमुख हैं।

खेल समाचार

एडम जैम्पा टी-20 विश्व कप के इतिहास में दूसरे सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली (ए.)। टी-20 विश्व कप 2026 के 40वें मैच में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सामने ओमान क्रिकेट टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 104 रन पर ही सिमट गई। ओमान की टीम को ढेर करने में एडम जैम्पा की अहम भूमिका रही। इस अनुभवी लेग स्पिनर ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 4 विकेट लिए। वह टी-20 विश्व कप में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। आइए उनकी गेंदबाजी पर एक नजर डालते हैं।

जैम्पा ने ओमान की पारी के 8वें ओवर के दौरान गेंदबाजी के लिए आए। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में हम्माद मिर्जा का विकेट चटकाया। इस लेग स्पिनर ने अपने दूसरे ओवर में मोहम्मद नदीम को पवेलियन की राह दिखाई। जैम्पा ने अपने चौथे ओवर की शुरुआती 2 गेंदों में निचले क्रम के शकील अहमद और शफीक जैन को भी आउट किया। उन्होंने 3.2 ओवर में 21 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए।

जैम्पा अब टी-20 विश्व कप के इतिहास में दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने टूर्नामेंट के इतिहास में 25 मैच खेले हैं, जिसमें 13.84 की औसत और 6.52 की इकॉनमी रेट के साथ 44 विकेट लिए हैं। उन्होंने विकेटों के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (43) को पीछे छोड़ा है। बता दें कि टी-20 विश्व कप इतिहास में जैम्पा से ज्यादा विकेट सिर्फ शाकिब अल हसन (50) ने लिए हैं।

जैम्पा ने टी-20 विश्व कप के चौथी बार 4 विकेट चटकाए। वह सर्वाधिक 4 विकेट हॉल वाले गेंदबाज बने हैं। उन्होंने शाकिब, सईद अजमल, राशिद और एनरिक नोर्खिया को पीछे छोड़ा है। इन गेंदबाजों ने 3-3 पारियों में 4 विकेट हॉल लिए हैं।जैम्पा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने अब तक 115 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 20.63 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट से 147 विकेट लिए हैं। उन्होंने एक पारी में 5 विकेट हॉल भी लिया है। विश्व के गेंदबाजों की बात करें तो वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में फिलहाल 8वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

टी-20 विश्व कप 2026ः मिचेल मार्श ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया, पूरे किए 6,000 टी-20 रन

नईदिल्ली (ए.)। टी-20 विश्व कप 2026 के लीग स्टेज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने ओमान क्रिकेट टीम को 9 विकेट से हराया। इस मैच में जीत के लिए मिले 105 रन के छोटे से लक्ष्य को कंगारू टीम ने मिचेल मार्श के अर्धशतक (64*) की बदौलत हासिल किया। यह मार्श का लगातार दूसरा अर्धशतक रहा और इस बीच उन्होंने टी-20 क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे किए। आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

मार्श ने ओमान की साधारण सी नजर आ रही गेंदबाजी की जमकर खबर ली और सिर्फ 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हेड के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। हेड 19 गेंदों में 32 रन की पारी खेलकर आउट हुए। मार्श 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए।

मार्श ने 85 टी-20 अंतराष्ट्रीय की 80 पारियों में 33.63 की औसत से 2,220 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने एक शतक और 13 अर्धशतक लगाए। क्रिकइंफो के अनुसार, टी-20 क्रिकेट में कुल मिलाकर मार्श ने 6,000 रन पूरे किए। मार्श के अब 220 पारियों में 33.35 की औसत और 138.03 की स्ट्राइक रेट से 6,003 रन हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 37 अर्धशतक अपने नाम किए हैं।

ओमान के सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम (0) मैच की पहली ही गेंद पर आउट हुए। खराब शुरुआत के बाद कप्तान जतिंदर सिंह (17), करण सोनावाले (12) और हम्माद मिर्जा (16) भी जल्दी आउट हुए। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच वसीम अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए और टीम 104 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया से एडम जैम्पा ने 4 विकेट लिए। जवाब में मार्श (64*) और ट्रेविस हेड (32) ने आसान जीत दिलाई।

भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबला आज

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिंह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं।

रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मारक्रम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी। आमिर की हालिया भविष्यवाणी के बाद भारतीय टीम पर खुद को साबित करने का दबाव भी बढ़ गया है।

अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन बड़ा मंच खिलाड़ियों को लय में लौटने का अवसर भी देता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने 2024 की कड़वी हार की यादें भी हैं, जब ब्रिजटाउन में भारत ने सात रन से जीत दर्ज की थी। इस बार दोनों टीमें सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी और क्रिकेट जगत की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली इस ऐतिहासिक जंग पर टिकी होंगी।

संभावित टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम घोषित, केशव महाराज करेंगे कप्तानी

नईदिल्ली(ए.)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को टी-20 विश्व कप 2026 के समापन के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलनी है। 5 मैचों की इस टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम घोषित की है, जिसमें केशव महाराज को कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस टीम में 5 अनकैप्ड खिलाड़ियों को चुना गया है। आइए टीम पर एक नजर डालते हैं।

टी-20 सीरीज की शुरुआत 15 मार्च को होने वाले मैच से हो जाएगी। सीरीज का आखिरी मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा। इस सीरीज में उन खिलाड़ियों को भी बाहर रखा गया है, जिन्होंने आईपीएल 2026 में हिस्सा लेना है। दक्षिण अफ्रीका की टीम: केशव महाराज (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, ईथन बॉश, गेराल्ड कोएत्जी, टोनी डी जोरजी, कॉनर एस्टरहुइजन, डियान फॉरेस्टर, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, जॉर्ज लिंडे, नकोबानी मोकोएना, एंडिले सिमेलेन, लुथो सिपामला, प्रेनेलन सुब्रायन और जेसन स्मिथ।

नए चेहरों में बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन, डियान फॉरेस्टर और जॉर्डन हरमन शामिल हैं, जिन्हें घरेलू टी-20 टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऑलराउंडर ईथन बॉश को भी टीम में जगह मिली है।

हरमनप्रीत कौर बनीं दुनिया की सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर, सूजी बेट्स का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (ए.)। भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मैदान पर उतरते ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बना दिया। हरमनप्रीत ने भारत के लिए अपना 356वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर यह मुकाम हासिल किया और इस तरह उन्होंने न्यूजीलैंड की महान क्रिकेटर सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया, जो पहले इस सूची में शीर्ष पर थीं। हरमनप्रीत ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और तब से अब तक वह छह टेस्ट, 161 वनडे और 189 टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं। महिला क्रिकेट में उनका योगदान अभूतपूर्व माना जाता है। आईसीसी के अनुसार, वह भारत में महिला क्रिकेट क्रांति का एक बड़ा चेहरा रही हैं, और पिछले वर्ष उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्व चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया था। मैदान पर उनके नेतृत्व और स्थिरता ने टीम इंडिया को महिला क्रिकेट की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। दूसरे टी-20 के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने हरमन की तारीफ करते हुए कहा, हरमन भारत के लिए हमेशा एक खास खिलाड़ी रही हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाज हैं अर्शदीप सिंह, जानिए प्रदर्शन

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 में अपना अजेय क्रम जारी रखा है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलते हुए, भारत ने ग्रुप स्टेज के अपने चारों मैचों में जीत दर्ज की है। अब सुपर-8 में भारतीय टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से 22 फरवरी को होगा। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस टीम के खिलाफ गेंदबाजी करना पसंद है। आइए उनके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अर्शदीप दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध 14 मैचों में 18.86 की औसत और 9.04 की इकॉनमी रेट के साथ 23 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देते हुए 3 विकेट लेना रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अर्शदीप के बाद सर्वाधिक विकेट भारत के वरुण चक्रवर्ती (22), और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन (17) ने लिए हैं। टी-20 विश्व कप में अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 मैच खेले हैं।

राष्ट्रकवि भवानी प्रसाद मिश्र की पुण्य तिथि पर पत्रकारों ने किया याद

>>> मानवतावादी कवियों में दादा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है : बलराम शर्मा
>>> साहित्य के क्षेत्र में भवानी दादा का विशेष योगदान रहा है : प्रफुल्ल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। स्वतंत्रता संग्राम के अमर प्रहरी के रूप में कविवर भवानी प्रसाद मिश्र का नाम प्रमुखता से शामिल हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से काफी प्रभावित होने के कारण गांधीवादी कवियों में भवानी प्रसाद मिश्र प्रमुख हैं। महात्मा गांधी के भारतछोड़ो आंदोलन में भवानी प्रसाद मिश्र को 1942 में जेल जाना पड़ा। जहां वे 2 वर्ष 8 माह 8 दिन तक जेल में रहे। लेकिन उन्होंने देश प्रेम को सर्वोपरी माना। जेल में भी अनेक काव्य रचनाएं की। मानवतावादी कवियों में दादा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यह बात पत्रकार भवन में भवानी दादा की 41 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि भवानी प्रसाद मिश्र ने अपने अनुभवों का प्रयोग करके जिंदगी की व्यापकता को कविता में उतारा। अभिव्यक्ति के इस यथार्थ प्रयोग के कारण ही उनके काव्य संसार को कविता में जिंदगी और जिंदगी में कविता के रूप देखा जा सकता है। वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी ने कहा कि नर्मदांचल पत्रकार संघ भवानी दादा की जयंती और पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता रहा है। दादा लेखनी के धनी थे। साहित्य के क्षेत्र में उनका विशेष योगदान रहा है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

पत्रकार मनोज चौरे को दी पत्रकारों ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

नर्मदांचल पत्रकार संघ द्वारा वरिष्ठ पत्रकार मनोज चौरे का जन्मदिन पत्रकार भवन में मनाया गया। सभी उपस्थित पत्रकारों ने उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर पत्रकार संघ के वरिष्ठ पत्रकार मनोज सोनी, राजेश तिवारी, कमलेश चौधरी, विजय कुम्भारे, एनडी दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, नेहा थापक के साथ ही गोलू अवस्थी, गोविंद चौधरी, सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

दादागुरु की मां नर्मदा परिक्रमा सेवा यात्रा का आगमन 27 को

परिक्रमा यात्रा जमात के स्वागत की तैयारी जारी, बैठक आज

नर्मदापुरम (निप्र)। दादागुरु की मां नर्मदा परिक्रमा सेवा यात्रा का आगमन 27 फरवरी की शाम को नर्मदापुरम नगर में होने वाला है। तैयारियों सम्बंधित चर्चा हेतु आज 22 फरवरी को शाम 5.30 बजे श्री दादाकुटी में एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की जा रही है। दादा कुटी परिवार से जुड़े एवं नर्मदा मिशन के श्रद्धालुओं से अनुरोध किया जा रहा है कि बैठक में अवश्य पधारें ताकि रुपरेखा पर निष्कर्षनात्मक चर्चा कर तैयारियों में तत्पर हो जाएं। सभी की सलाह व सहयोग से नर्मदापुरम नगर का यह पवित्र आयोजन हर वर्ष अपनी गरिमा के साथ सम्पन्न होता है। बीते वर्षों की तरह दादागुरु अपनी भव्य जमात के साथ मां नर्मदा की परिक्रमा यात्रा का पावन आगमन हो रहा है।

आज 4 घंटे बिजली कटौती, सब स्टेशन का होगा मेंटेनेंस

सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक पूरे शहर और ग्रामीण इलाकों में बंद रहेगी सप्लाई

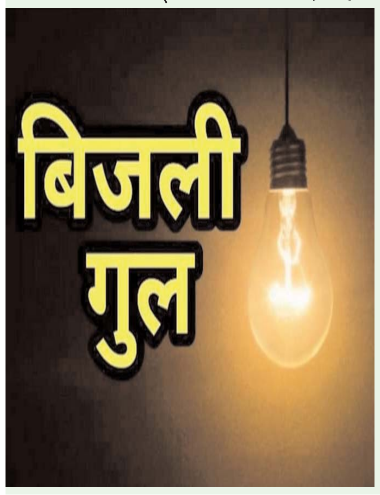

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर और उससे लगे ग्रामीण इलाकों में रविवार 22 फरवरी को 4 घंटे तक बिजली की कटौती रहेगी।

रसूलिया स्थित 220,132,33 केवी सब स्टेशन में अति आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किए जाने के कारण सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी।

कृषक संगोष्ठी दूधियाबढ़ बानापुरा में सफलतापूर्वक सम्पन्न

जीरामजी विधेयक कृषि क्षेत्र को सशक्त, संरक्षित एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : सांसद

नर्मदापुरम। सिवनी मालवा (निप्र)। दूधियाबढ़ बानापुराद्ध में शुक्रवार को आयोजित कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थित रहे।सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों के हित में लाए जा रहे जी राम विधेयक बिल के सकारात्मक प्रावधानों को रेखांकित करते हुए कहा कि यह विधेयक कृषि क्षेत्र को सशक्त संरक्षित एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।सांसद ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसारए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने किसानों से सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने और तकनीकी नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजपूत सुधीर पटेल, जनप्रतिनिधि कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, किसान मातृशक्ति जागरूक नागरिकगण एवं पत्रकार साथियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। संगोष्ठी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, विभिन्न योजनाओं एवं किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों पर सारगर्भित चर्चा हुई।

एसआईआर-2026 : अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

13127 मतदाताओं की हुई बढ़ोतरी, जेण्डर रेशों 2.82 तथा ईपी रेशों भी 0.92 प्रतिशत बढ़ा

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 के संबंध जारी संशोधित कार्यक्रम अनुसार 21 फरवरी 2026 को जिला नर्मदापुरम अंतर्गत चारों विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136-सिवनीमालवा, 137-होशंगाबाद, 138-सोहागपुर एवं 139-पिपरिया की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन जिला कार्यालय एवं जिले की समस्त विधानसभाओं के कार्यालय एवं विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर किया गया।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में प्रशासन की अवैध खनिज उत्खनन पर सख्त कार्रवाई जारी

ट्रक, डंफर, ट्रैक्टर ट्राली सहित 10 से अधिक वाहन जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्रवाई जारी है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार समस्त अनुविभागीय अधिकारियों, खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा व्यापक अभियान चलाकर कर कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत सप्ताह में अवैध खनन एवं खनिज का ओवरलोड परिवहन करते पाए जाने पर कई वाहनों को जब्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा समस्त अनुभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में अवैध उत्खनन के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) विजय राय के नेतृत्व में सिवनी मालवा क्षेत्र में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। ग्राम बाबरी से अवैध रेत का ओवरलोड परिवहन करते पाए जाने पर चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर पुलिस थाना शिवपुर एवं पुलिस थाना सिवनी मालवा में अभिरक्षार्थ खड़ा कराया गया।

इसी क्रम में रात्रि कार्रवाई के दौरान 05 वाहन (01 ट्रक एवं 04 डंपर) को रेत एवं अन्य खनिज का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर थाना प्रभारी सिवनी मालवा के सुपुर्द किया गया। साथ ही गिट्टी के अवैध परिवहन के मामलों में भी संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई। नर्मदापुरम क्षेत्र में जासलपुर रोड सहित अन्य स्थानों पर खनिज एवं राजस्व टीम द्वारा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। साथ ही माइनिंग, राजस्व सहित आरटीओ टीम द्वारा रायपुर रेत खदान नर्मदापुरम पर अवैध रेत परिवहन/ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्यवाही की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे भी उपस्थित रहे।

तहसील बनखेड़ी में अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। तहसील पिपरिया में भी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत के अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया। सोहागपुर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री प्रियंका भलावी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 03 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर थाना परिसर सोहागपुर में अभिरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध उत्खनन एवं खनिज के अवैध परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। किसी भी परिस्थिति में अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिवनी मालवा में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान 96 उपकरण किए गए वितरित

नर्मदापुरम(निप्र)। सिवनी मालवा स्थित मांगलिक भवन में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन सांसद दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण दिव्यांगजनों को वितरित किए गए, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में सुगमता प्राप्त हो सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में कुल 96 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें 01 ट्राइसाइकिल, 04 व्हीलचेयर, 01 सीपी चेयर, 02 बच्चों के लिए व्हीलचेयर, 07 रोलेटर (बच्चों एवं वयस्कों हेतु), 03 ब्रेल किट, 54 टीएलएम किट, 18 मीडियम व्हीलचेयर तथा 06 बीटीई हियरिंग एड शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान जन प्रतिनिधि श्रीमती प्रीति शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन, एसडीएम विजय राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु 24 फरवरी को एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर द्वारा जिला प्रशासन नर्मदापुरम के सहयोग से पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 24 फरवरी 2026 को प्रातः 10:30 बजे से शासकीय संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम में आयोजित होगा।कार्यक्रम में पीएम विश्वकर्मा योजना में पंजीकृत लाभार्थी सीधे उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। सहभागिता के लिए पीएम विश्वकर्मा आईडी कार्ड लाना अनिवार्य होगा। जिला स्तर पर पीएम विश्वकर्मा योजना की नोडल अधिकारी दिव्या थागले ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को उद्यमिता विकास, वित्तीय सहायता, ई-कॉमर्स, केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण एवं टूल किट संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, एलडीएम, भारतीय डाक, हथकरघा विभाग तथा शासकीय आईटीआई विभाग के अधिकारियों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लाभार्थियों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। जिला प्रशासन ने पात्र लाभार्थियों से कार्यक्रम में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

21 फरवरी को मतदाता सूची का हुआ अंतिम प्रकाशन

23 फरवरी को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ होगी बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 अंतर्गत जिला नर्मदापुरम की चारों विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन जिला कार्यालय एवं जिले की समस्त विधानसभाओं के कार्यालय एवं विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर शनिवार 21 फरवरी 2026 को किया गया है। तत्संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के रेवा कक्ष में 23 फरवरी सोमवार को सायं 05:30 बजे जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई हैं।

सतर्कता सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक 25 फरवरी को

नर्मदापुरम (निप्र)। अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम अंतर्गत पुलिस थानों में दर्ज प्रकरणों की संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।

उक्त बैठक 25 फरवरी को सायं 03:45 बजे से आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम के सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 25 फरवरी को

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़क सुरक्षा नीति के समन्वय, निगरानी एवं पर्यवेक्षण के संबंध में संभागीय आयुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता एवं पुलिस महानिरीक्षक जोन नर्मदापुरम की सह अध्यक्षता में संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 25 फरवरी को सायं 04:30 बजे से आयोजित की गई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड, अरविन्द विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग़ मुंगालिया, भोपाल

Phone No. 0755-2930001, E-Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in

क्रमांक 265/तक/का0यं0/लो0स्वा0/मैके0खण्ड/भोपाल/2026/दिनांक 18/02/2026

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 34/2026-27 दिनांक 18.02.2026 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026_PHED_483431_1 दिनांक 18.02.2026

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2026-27 के दौरान नर्मदापुरम जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिग मशीनों पर आवश्यकतानुसार हैवी लाईसेंसधारी पुरूष (कुशल श्रमिक) तथा पुरूष मजदूर (अकुशल श्रमिक) उपलब्ध कराने हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 06.03.2026 सायं 17.00 बजे तक अनुभवी ठेकेदार से प्रपत्र "Annexure 2.10" पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली, लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र इत्यादित (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन लाईन अपलोड करना होगा। निविदा दिनांक 09.03.2026 को सायं 15.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। परिशिष्ट/संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्य का विवरण	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रू0)	धरोहर राशि (रू0)	टेण्डर का मूल्य (रू0)	टेण्डर बिक्री की तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	कार्य अवधि
मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2026-27 के दौरान नर्मदापुरम जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिग मशीनों पर आवश्यकतानुसार हैवी लाईसेंसधारी पुरूष (कुशल श्रमिक)तथा पुरूष मजदूर (अकुशल श्रमिक) उपलब्ध कराया जाना।	1534950.00	30,699.00	2,000.00	06.03.2026, 17.00 तक	09.03.2026 , सायं 15.00 बजे	अनुबंध दिनांक से 06 माह (वर्षा ऋतु छोड़कर)

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्ते एवं विवरण वेब साइट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2026_PHED_483431_1 दिनांक 18.02.2026 उपलब्ध है।

जी/26179/25

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री
लोक. स्वा.यां. मैकेनिकल खण्ड
भोपाल

कथा समाप्त होने के बावजूद, हजारों की संख्या में पंडाल में मौजूद श्रद्धालु

सीहोर, (निप्र) रुद्राक्ष महोत्सव शुक्रवार समापन हो गया है। देश के कोने-कोने से भोजन प्रसादी के लिए आए हजारों सेवादारों अपने-अपने गतंव्य की ओर रवाना हो गए है। अब तक के सारे महोत्सव के रिकार्ड टूटने के बाद यहां पर शनिवार को भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद है। यहां पर श्रद्धालुओं को नियमित रूप से जारी निशुल्क भंडारे से भोजन प्रसादी की जा रही है। महोत्सव समाप्त होने के बावजूद, लोग पंडाल से नहीं जाते और अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा को दोबारा देखने या उनकी एक झलक पाने के लिए बैठे रहते हैं। ऐसा ही कुछ नजारा जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर दिखाई दे रहा है।शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने पंडाल में पहुंचे थे, इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। वहीं अखंड हिन्द फौज के बालक-बालिकाओं से समिति के समीर शुक्ला और पंडित विनय मिश्रा आदि ने भेंट की।

बोर्ड परिक्षाओं का अधिकारियों द्वारा किया जा रहा निरंतर निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में संचालित हो रही बोर्ड परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण कर निर्विघ्न एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने हेतु विशेष सतर्कता बरती जा रही है।अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा जिले के समस्त परीक्षा केंद्रों का लगातार भ्रमण कर परीक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया जा रहा है। परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र वितरण, परीक्षार्थियों की उपस्थिति, कक्ष व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों की बारीकी से जांच की जा रही है। जिले में अब तक किसी भी परीक्षा केंद्र पर नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता स्पष्ट होती है। निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर उड़नदस्ता दल द्वारा भी आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है।इसी क्रम में सोहागपुर एसडीएम सुश्री प्रियंका भलावी द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल सोहागपुर का निरीक्षण कर परीक्षा संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया गया। वहीं बनखेड़ी तहसीलदार श्रीमती अंजू चौहान द्वारा मॉडल स्कूल वाचावानी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

संचालक सैनिक कल्याण नर्मदापुरम एवं हरदा के भ्रमण पर

नर्मदापुरम(निप्र)। ब्रिगेडियर अरुण नायर, सेना मेडल, संचालक सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश भोपाल, 24 फरवरी 2026 को जिला नर्मदापुरम और 25 फरवरी 2026 को जिला हरदा के भ्रमण पर आ रहे हैं। इस दौरान वह पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे।24 फरवरी को ब्रिगेडियर श्री नायर पिपरिया, इटारसी और नर्मदापुरम में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से भेंट करेंगे। इसके बाद, 25 फरवरी को वह हरदा जिले में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से मुलाकात करेंगे।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर अनुराग सक्सेना (से.नि.) ने जिले के समस्त पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से अनुरोध किया है

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com